

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए



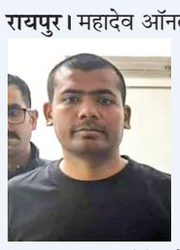
संपर्क करे
9303289950
7987166110

वर्ष- 18 अंक - 29 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 12 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सार-संक्षेप

हाई सिक्योरिटी के बीच सौरभ चंद्राकर रायपुर कोर्ट में पेश

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप केस



के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को गुरूवार को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। 8 दिन की सीबीआई कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद एजेंसी ने दोबारा रिमांड नहीं मांगी। सीबीआई ने सौरभ को न्यायिक रिमांड पर भेजने की मांग की है। वहीं ईडी ने उसके खिलाफ जारी नॉन-बेलेबल वारंट एक्जीक्यूट कराने के लिए कोर्ट में रिक्वेस्ट की है। हाई सिक्योरिटी के बीच सौरभ को कोर्ट लाया गया। इस दौरान सीबीआई और ईडी दोनों के अधिकारी मौजूद रहे। कोर्ट में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है। ईडी की ओर से वकील सौरभ पांडे ने पक्ष रखा, जबकि बचाव पक्ष की ओर से तुषार गिरी ने पैरवी की। इस मामले में 4 अधिकारियों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाया गया है। सीबीआई ने सौरभ से महादेव ऐप के नेटवर्क, पैनल ऑपरेटरों, हवाला के जरिए हुए लेनदेन और कथित प्रोटेक्शन मनी को लेकर पूछताछ की है। जांच एजेंसी को यह पता लगाना है कि सट्टे से जुटाई गई रकम किन लोगों तक पहुंची और इस पूरे नेटवर्क में किन अधिकारियों और अन्य लोगों की भूमिका थी। सीबीआई ने कोर्ट में रिमांड के दौरान इन पहलुओं पर पूछताछ की जरूरत बताई थी।

यात्रियों से भरी इलेक्ट्रिक वैन 500 मीटर गहरी खाई में गिरी, 10 की मौत

काटमांडू। नेपाल के मकवानपुर जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन (ईवी) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 500 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। जानकारी के अनुसार, मधेश प्रदेश 03-001 ज 0880 नंबर की इलेक्ट्रिक वैन काठमांडू से सर्लाही की ओर जा रही थी। इसी दौरान भीमफेदी-कुलेखानी-काठमांडू सड़कखंड पर चिसापानी गढ़ी के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

राजस्व कार्यों में लापरवाही पर खैरागढ़ जिले के तीन पटवारी निलंबित

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। जिले में महत्वपूर्ण राजस्व कार्यों में लापरवाही, समय-सीमा में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का पालन नहीं करने के मामलों में तीन पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। वहीं, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गंडई-छुईखदान द्वारा हड़ताली पटवारियों को जारी अंतिम कारण बताओ नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि शासकीय कार्य नहीं करने एवं निर्देशों की अवहेलना की स्थिति में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। गंभीर प्रकरणों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सेवा से पृथक करने तक की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके अतिरिक्त जिले में हड़ताल में शामिल 57 पटवारियों का अक्टूबर माह का वेतन आहरण नहीं किया गया है।

छत्तीसगढ़ में पड़ने लगी ठंड, मौसम बदलते ही लोगों ने निकाले गर्म कपड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। पहले गुलाबी ठंड के बाद अब पूरी तरह से ठंड पड़ने लगी है। सुबह और शाम के समय ठंड लग रही है। राजधानी रायपुर में शाम पांच बजे से सुबह नौ बजे तक ठंड देखी जा रही है। बाकी अन्य जिलों में भी ठंड शुरू हो गई है। बस्तर और सरगुजा संभाग के पहाड़ी इलाके वाले जिलों में ठंड बढ़ती जा रही है। इस वजह से लोग गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिये हैं।

आगामी पांच दिनों में प्रदेश के न्यूनतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि कुछ स्थानों पर तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। फिलहाल ठंड की रफ्तार बढ़ने वाली है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में आने वाली हवाओं की दिशा में बदलाव देखा जा रहा है। इस वजह से न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर फिलहाल थम गया है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। ठंड बढ़ने की प्रमुख वजह उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं हैं। इन हवाओं के प्रभाव से प्रदेश के न्यूनतम तापमान में लगातार कमी दर्ज की जा रही थी। अब पश्चिमी विक्षोभ के असर से हवा की दिशा में बदलाव होने की संभावना है। इसका सीधा असर रात के तापमान पर पड़ेगा और न्यूनतम पारा बढ़ सकता है।



दिवाली के साथ तापमान में गिरावट

दिवाली से पहले से ही प्रदेश में रात के तापमान में लगातार गिरावट का दौर शुरू हो गया था। पिछले 24 घंटे के दौरान अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके अलावा माना एयरपोर्ट रायपुर में अधिकतम तापमान 29.9 और न्यूनतम 19.9 रहा। इसी तरह बिलासपुर में अधिकतम 29.2 और न्यूनतम 16.6, पेंड्रा रोड में अधिकतम 29.4 और न्यूनतम 14.4, अंबिकापुर में अधिकतम 28.3 और न्यूनतम 11.4 दर्ज किया गया। जगदलपुर में अधिकतम 30.4 और न्यूनतम 14.1, दुर्ग में अधिकतम 31.8 न्यूनतम 15.04 दर्ज किया गया।

छत्तीसगढ़ में धान न बेचने पर भी मिलेगा बोनस, 21 क्विंटल की मजबूरी खत्म, सरकार ने दी छूट

नई व्यवस्था के तहत किसान अब अपनी जरूरत और सुविधानुसार ही बेच सकेंगे धान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफविपणन सत्र से पहले राज्य सरकार ने किसानों के पक्ष में बड़ा नीतिगत फैसला लेते हुए उपार्जन केंद्रों में 21 क्विंटल धान विक्रय की अनिवार्य बाध्यता खत्म कर दी है। नई व्यवस्था के तहत किसान अब अपनी जरूरत और सुविधानुसार ही धान बेच सकेंगे। काश्तकारों को बेची गई मात्रा पर समर्थन मूल्य और 21 क्विंटल के दायरे में शेष बची उपज पर 'कृषक उन्नति योजना' के तहत सीधे अंतर राशि (बोनस) का भुगतान किया जाएगा।



15 क्विंटल बेचने पर भी मिलेगा पूरा बोनस

योजना के फार्मूले के अनुसार यदि किसी किसान के एक एकड़ में 21 क्विंटल धान दर्ज है और वह केवल 15 क्विंटल बेचता है, तो उसे 2441 रुपए की दर से 36615 रुपए समर्थन मूल्य मिलेगा। वहीं शेष बचे 6 क्विंटल धान पर 3,100 और 2,441 रुपए के बीच का अंतर यानी 659 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 3,954 रुपए बोनस के तौर पर सीधे मिलेंगे। नई नीति में उपार्जन केंद्र में धान न बेचने वाले किसानों को भी दायरे में रखा गया है। ऐसे किसानों को शपथ-पत्र के साथ दावा पेश करना होगा। विभाग द्वारा गिरदावरी और डीसीएस रिकार्ड से मिलान के बाद ही सहायता राशि स्वीकृत होगी।

अब तक किसानों के सामने यह मजबूरी रहती थी कि योजना का पूर्ण लाभ लेने के लिए उन्हें पूरा कोटा सोसायटियों में खपाना पड़ता था। नए प्रावधान से घरेलू जरूरत, बीज और खुले बाजार में ऊंचे दाम पर धान रोकने की खुली छूट मिल गई है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि यदि कोई किसान उपार्जन केंद्र में एक दाना भी धान नहीं बेचता है, तब भी वह डीसीएस सर्वे के आधार पर बोनस राशि पाने का पात्र होगा।

इसके लिए किसान को केवल एक शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा। हालांकि, गड़बड़ी रोकने के लिए विभाग शपथ-पत्र का स्थलीय सत्यापन कराएगा और गलत जानकारी पाए जाने पर कार्रवाई होगी।

दीपावली पर जहरीली हुई छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों की हवा, 194 तक पहुंची एक्यूआई



श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दिल्ली की जहरीली हवा की चर्चा पूरे देश में है लेकिन छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों हवा भी अब चिंता बढ़ा रही है। दिवाली के बाद महज दो दिनों में शहर का एक्यूआई 88 से बढ़कर 194 पहुंच गया। 10 नवंबर को इसमें गिरावट जरूर आई, लेकिन प्रदूषण का खतरा बरकरार है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी के सीसीआर पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 7 नवंबर को बिलासपुर का एक्यूआई 88 दर्ज हुआ। 8 नवंबर को बढ़कर 128 और 9 नवंबर को सीधे 194 पहुंच गया। यानी दो दिनों में 106 अंकों की बढ़ोतरी, 10 नवंबर की सुबह एक्यूआई घटकर 133 दर्ज किया गया, लेकिन दिवाली के बाद हवा की गुणवत्ता में आई यह गिरावट चिंता बढ़ाने वाली है।

सीपीसीबी यानी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सीसीआर पोर्टल की 10 नवंबर की सुबह की रीडिंग के मुताबिक बिलासपुर का एक्यूआई 133 रहा। जबकि रायपुर में 98, भिलाई में 93 और कोरबा में 61 दर्ज किया गया. यानी इन चार प्रमुख शहरों की तुलना में बिलासपुर की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित रही।

पटवारियों की हड़ताल पर सरकार की सख्ती बस्तर में 99 पटवारियों का ब्रेक इन सर्विस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार बस्तर जिला प्रशासन द्वारा प्रान्तीय आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे पटवारियों के खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। 13 अक्टूबर से हड़ताल पर गए जिले के 99 पटवारियों की हड़ताल अवधि को ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) घोषित कर दिया गया है, जबकि 17 पटवारियों को निलंबित किया गया है।

अपर कलेक्टरडीआर डाहिरे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले की सभी 10 तहसीलों में कुल 180 पटवारी पदस्थ हैं, जिनमें 30 प्रशिक्षु शामिल हैं। इनमें से 136 पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं, जबकि 44 पटवारी वर्तमान में अपने कर्तव्यों पर कार्यरत हैं। हड़ताल पर गए सभी 136 पटवारियों को प्रशासन द्वारा पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन काम पर वापस न लौटने पर यह सख्त कदम उठाया गया है।

तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार जगदलपुर तहसील में पदस्थ 26 में से 25 पटवारी हड़ताल पर हैं, जिनमें से 23 पर ब्रेक इन सर्विस और 2 पर निलंबन की गाज गिरी है, जबकि यहाँ केवल एक पटवारी कार्यरत है। इसी तरह बस्तर तहसील में पदस्थ सभी 16 पटवारी हड़ताल पर हैं और प्रशासन ने सभी 16 पटवारियों का ब्रेक इन सर्विस करते हुए 2 को निलंबित कर दिया है। भानपुरी में पदस्थ 21 में से 14 हड़ताली पटवारियों पर ब्रेक इन सर्विस तथा 2 पर निलंबन की कार्रवाई हुई है, जबकि 7 कार्यरत हैं। बकावण्ड में पदस्थ 21 में से 14 हड़ताल पर हैं, जिनमें से 13 का ब्रेक इन सर्विस और एक का निलंबन किया गया है।

अन्य तहसीलों में भी प्रशासन का रुख सख्त रहा है। लोहण्डीगुड़ा में पदस्थ 22 में से 11 पटवारी हड़ताल पर हैं और सभी 11 पर ब्रेक इन सर्विस के साथ 2 को निलंबित किया गया है। करपावण्ड में पदस्थ 12 में से हड़ताल पर गए सभी 10 पटवारियों का ब्रेक इन सर्विस और एक को निलंबित किया गया है। नानगुर के 10 में से 8 हड़ताली पटवारियों में से 7 पर ब्रेक इन सर्विस और 2 पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त तोकापाल में 18 में से 16 हड़ताली पटवारियों में से 2 पर ब्रेक इन सर्विस व 2 पर निलंबन, बास्तानार में 16 में से 9 हड़ताली पटवारियों में से 2 पर ब्रेक इन सर्विस व 2 पर निलंबन तथा दरभा तहसील में पदस्थ 18 में से 13 हड़ताली पटवारियों में से एक पर ब्रेक इन सर्विस व एक पर निलंबन की कार्रवाई की गई है।

अरविंद केजरीवाल को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी



नईदिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर सात करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए दिल्ली के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह को फोन और व्हाट्सएप मैसेज भेजा। आरोपी ने धमकी दी कि अगर सात करोड़ रुपये नहीं दिए गए तो अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता केजरीवाल की हत्या कर दी जाएगी। शिकायत के आधार पर मोहाली के साइबर क्राइम थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

रसगुल्ला बताकर खिलाया सूअर मार बम, चबाते ही फटा, मौत

डिंडौरी। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले में रसगुल्ला बताकर युवक को सूअर मार बम खिलाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। दांत के दबाने पर बम में ब्लास्ट हो गया, जिसके कारण उसका जबड़ा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफहत्या व विस्फोटक एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कोतवाली के निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे ने बताया कि ग्राम पड़रिया छांटा निवासी राजेन्द्र



बरौतिया पिता स्व. फुल्लू लाल बरौतिया उम्र 35 साल मंगलवार की शाम लगभग सात बजे अपने परिजनों के साथ खाना खाकर घर के आंगन में आग जलाकर बैठा था। रात लगभग आठ बजे गांव का रामभगत बरौतिया वहां पहुंचा और राजेन्द्र के बगल से बैठ गया। रामभगत और राजेन्द्र आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान रामभगत ने सूअर मार बम को रसगुल्ला बताकर राजेंद्र को खाने के लिए दे दिया। राजेंद्र ने बम को रसगुल्ला समझकर खा लिया। चबाने पर बम मुंह में ही फट गया। सूअर मार बम फटने से युवक के मुंह में गंभीर चोट आई। परिजन उसे इलाज के लिए ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने रात में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बुधवार को पंचनामा कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 105, विस्फोटक अधिनियम की धारा 3, 4 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया।



संपादकीय

लालच की मिलावट

घटिया सामान बेचना जनस्वास्थ्य के प्रति अपराध

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य-डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जांच-पड़ताल के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया। इस देशव्यापी मुहिम में करीब 3,280 टन खाद्य उत्पाद जब्त किए गए। जिसकी अनुमानित कीमत 81.8 करोड़ रुपये बतायी जाती है। ये अभियान गत एक सितंबर से पांच नवंबर के बीच चलाया गया। नियामक संस्था ने 56,000 अधिक प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 43,939 नमूने भरे गए। दस हजार कारोबारियों को स्थिति में सुधारों के लिये नोटिस जारी किए गए। करीब 1,133 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए। कुल 52 लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए। साथ ही 410 के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भारत जैसे विशाल देश में ये बरामदगी मिलावट के समुद्र में एक टापू जितनी है। ये आंकड़े बताते हैं कि स्थिति बेहद जटिल है और रोकने के प्रयास कितने कम। सवाल ये भी है कि ये कार्रवाई त्योहारी सीजन में ही क्यों? क्यों यह एक्शन साल भर नहीं चलना चाहिए? दोषी पाये जाने पर सख्त सजा का प्रावधान क्यों नहीं है? अक्सर लाइसेंस के निलंबन या रद्द करने के बाद आरोपी लोग दूसरे संस्थान व परिवार के अन्य सदस्य के नाम से संस्थान खोलकर फिर मिलावट के खेल में लग जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, ये नतीजे पंजाब और हरियाणा के लिये भी बेहद चिंताजनक हैं, जहां खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण इस क्षेत्र की बड़ी डेयरी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा डिग रहा है। इसका खमियाजा उन निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है, जो नहीं जानते कि वे एक धीमा जहर खरीद रहे हैं।

> “ दस हजार कारोबारियों को स्थिति में सुधारों के लिये नोटिस जारी किए गए। करीब 1,133 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए। कुल 52 लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए। साथ ही 410 के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भारत जैसे विशाल देश में ये बरामदगी मिलावट के समुद्र में एक टापू जितनी है। ये आंकड़े बताते हैं कि स्थिति बेहद जटिल है और रोकने के प्रयास कितने कम। सवाल ये भी है कि ये कार्रवाई त्योहारी सीजन में ही क्यों? क्यों यह एक्शन साल भर नहीं चलना चाहिए? दोषी पाये जाने पर सख्त सजा का प्रावधान क्यों नहीं है? अक्सर लाइसेंस के निलंबन या रद्द करने के बाद आरोपी लोग दूसरे संस्थान व परिवार के अन्य सदस्य के नाम से संस्थान खोलकर फिर मिलावट के खेल में लग जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, ये नतीजे पंजाब और हरियाणा के लिये भी बेहद चिंताजनक हैं, जहां खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण इस क्षेत्र की बड़ी डेयरी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा डिग रहा है।

पंजाब में दूध व डेयरी उत्पादों के नमूनों में भारी कमियां पाई गई हैं। हरियाणा में करीब पचास हजार किलोग्राम मिलावटी मिठाइयां और पनीर नष्ट किया गया है। नूंह में मिलावटी व हानिकारक पनीर की बरामदगी चिंता बढ़ाने वाली है। जो बताता है कि मुनाफा कमाने के लिये कुछ लोग किस हद तक गिर सकते हैं। निस्संदेह, ऐसी कार्रवाई को त्योहारी सीजन तक या फिर लोगों की शिकायत करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सही मायने में दूध व उससे बने उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों और पैकेटबंद खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिये सालभर अभियान चलाये जाने चाहिए। साथ ही राज्यों में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभागों को बेहतर सुविधा वाली आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए। जांच-पड़ताल के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की नियुक्तियां हों, उनके कानूनी अधिकार बढ़ाए जाएं तथा जांच के बाद तय समय-सीमा के भीतर कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। रडार पर वे लोग रहें जो ऐसे अपराध बार-बार करते हैं। इसके अलावा संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में जो सैंपल फेल हुए, जिन प्रतिष्ठानों ने मिलावट की और जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई, उस जानकारी को उपभोक्ताओं के हित में सार्वजनिक किया जाना चाहिए। निस्संदेह, ये घटिया काम जनस्वास्थ्य से अक्षम्य खिलवाड़ हैं, दोषियों को गंभीर अपराध जैसा दंड भी मिलना चाहिए। जब हम भारत को वैश्विक खाद्य-प्रसंस्करण केंद्र बनाने के सपने देखते हैं तो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानक भी भरोसेमंद होने चाहिए। साथ ही मानकों को सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। सरकारों व नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ता की थाली में जो भी खाना पहुंचे, वह सुरक्षित हो।

युवाओं का भरोसा फिर से कायम करने का समय

गुरबचन जगत

दुनियाभर में शासन और नागरिकों के बीच भरोसा कमजोर पड़ रहा है। यूरोप और एशिया में विरोध प्रदर्शनों से यह जाहिर है। युद्ध, महंगाई व बेरोजगारी से बेचैनी बढ़ी। भारत में भी बेरोजगारी व कमजोर शिक्षा-स्वास्थ्य प्रणाली की गंभीर चुनौतियां...



दुनियाभर में शासन और नागरिकों के बीच भरोसा कमजोर पड़ रहा है। यूरोप और एशिया में विरोध प्रदर्शनों से यह जाहिर है। युद्ध, महंगाई व बेरोजगारी से बेचैनी बढ़ी। भारत में भी बेरोजगारी व कमजोर शिक्षा-स्वास्थ्य प्रणाली की गंभीर चुनौतियां हैं। विशाल युवा आबादी से फायदा लेना है तो उनकी समस्याओं का समाधान भी जरूरी है।

जैसा कि जीन-जैक्स रूसो ने कहा है—'सामाजिक अनुबंध' वह आधार है जिस पर नागरिक साझी व्यवस्था बनाने एवं जनकल्याण के लिए, अपनी नैसर्गिक स्वतंत्रता को संप्रभु शासन अथवा कानून के अनुसार चलने वाली सरकार द्वारा शासित होने के लिए छोड़ना गवारा करते हैं अर्थात् वोलोन्टे जेनरल (स्वैच्छिक सामान्य इच्छा)। और यह 'सामाजिक अनुबंध' आज दुनिया के अधिकांश हिस्सों में टूटा पड़ा है। युद्ध, दंगे, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और हड़तालें इस घटनाक्रम का स्पष्ट प्रतिबिंब हैं।

चरम आंदोलन और पार्टियों का उदय, चाहे वे चरम वामपंथी हों या दक्षिणपंथी, खतरनाक समय के अग्रदूत हैं। सरकार और नागरिक, दोनों को, इस टूटे अनुबंध पर पुन: विचार करना चाहिए। मैं इसे टूटा हुआ कहता हूं क्योंकि राज्य के सात प्राथमिक कर्तव्य-रक्षा एवं सुरक्षा; कानून एवं व्यवस्था; न्याय; अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा; सार्वजनिक वस्तुएं और बुनियादी ढांचा निर्माण; आर्थिक प्रबंधन; और सामाजिक कल्याण—आज अधिकांश देशों में अव्यवस्था की स्थिति में हैं।

हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां दुनिया परस्पर युद्धरत है। मानव जाति का इतिहास मोटे तौर पर युद्ध का वर्णन ही है। इलाके, व्यापार और साम्राज्य-निर्माण को को लेकर युद्ध, आंतरिक अस्थिरता से ध्यान भटकाने और 'विदेशी हाथ' को दोष देने की इच्छा रखने वाले नेताओं द्वारा हमेशा उचित ठहराया जाता है। इन युद्धों में राष्ट्र एक-दूजे पर हमले करते रहते हैं और लाखों-करोड़ों निर्दोष लोग फंस जाते हैं। मतलब यह भी कि देश की संपत्ति और वित्त का बड़ा हिस्सा युद्धक प्रयासों में लगा दिया जाता है, नतीजन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक उत्थान पर जोर कहीं पीछे छूट जाता है, देश के भीतर असमानता एवं कलह बढ़ जाती है। आज जिस ओर भी देखें, हम देशों को युद्ध में उलझे पा रहे हैं या तो वे सीधे तौर पर शामिल हैं, सक्रिय या निष्क्रिय रूप से मदद दे रहे हैं या व्यापक विध्वंस पहुंचा रहे हैं।

यूक्रेन को नाटो और रूस को चीन एवं उत्तर कोरिया का समर्थन प्राप्त है। रूसी और यूक्रेनी अर्थव्यवस्थाएं खस्ताहाल हैं, यूक्रेन को हथियारों और सामरिक समर्थन की एवज में अमेरिका को अपने विशाल प्राकृतिक संसाधन देने पड़ रहे हैं। रूस लगभग पूर्ण आर्थिक नाकेबंदी के तहत है, वह चीन पर अत्यधिक निर्भर है। रूसी-यूक्रेनी तेल, गैस और गेहूं की बाधित आपूर्ति के चलते बढ़ी मुद्रास्फीति के कारण दुनिया के बाकी हिस्सों को भी भारी नुकसान हो रहा है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने अपने अन्य क्षेत्रों की एवज में सैन्य खर्च में भारी वृद्धि की। यूरोप अब घरेलू अशांति, कलह का नया मैदान है। फ्रांस, इटली, जर्मनी व सर्बिया में हाल में हिंसक आंदोलन हुए जिनमें सैकड़ों-हज़ारों प्रदर्शनकारी सुरक्षा बलों से भिड़ते रहे। संपत्तियां लूटी गईं या नष्ट की गईं।

फ्रांस में, आंदोलन छात्र प्रदर्शनों के साथ शुरू हुआ और समाज के अन्य वर्गों में फैल गया, जिसमें पैरेंट्स, शिक्षक और पेशेवर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। छात्र दोयम बुनियादी ढांचे और शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलनरत थे। जैसे-जैसे यह अन्य वर्गों में फैला, पर्याप्त और सस्ते आवास की समस्या, जीवनयापन की बढ़ती लागत और तेल की कीमत जैसी मांगें जुड़ती गईं। इन देशों में अनियंत्रित आप्रवासन को अक्सर अव्यवस्था के लिए दोषी ठहराया जाता है। एक दशक से, अधिकांश यूरोप में बेरोजगारी, उच्च मुद्रास्फीति व जीवन स्तर में गिरावट सहित अर्थव्यवस्था गतिहीन पड़ी है।

इसी तरह, अगर मध्य पूर्व को देखें, तो लगता है हर कोई हर किसी से लड़ रहा है, ईरान अमेरिकियों और इस्राइलियों के निशाने पर है। युद्ध ने पूरे क्षेत्र को चपेट में ले लिया और इसके नतीजे ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को पुन: प्रभावित किया, बढ़ती मुद्रास्फीति, बाधित आपूर्ति श्रृंखला व जीवनयापन की बढ़ी लागत ने अधिकांश परिवारों को हानि पहुंचाई। दक्षिण अमेरिका में, अमेरिका ने वेनेज़ुएला पर करीब कब्ज़ा कर लिया। 'डोनरो डॉक्ट्रिन' (मोनरो डॉक्ट्रिन का डोनाल्ड ट्रंप संस्करण) को अपनी नीति का आधार बना अमेरिका सैन्य व आर्थिक रूप से महाद्वीप पर हावी होने की कोशिश में है।

एशिया में, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका में हिंसक आंदोलन और उसके साथ सत्ता परिवर्तन देखा गया। यह सूची लंबी है और मैंने कुछ को ही छुआ है। उन सभी में समान सूत्र यह कि सरकार और लोगों के बीच 'सामाजिक अनुबंध', अक्षरश: और भावनात्मक रूप से, दोनों तरह, टूटा हुआ प्रतीत होता है। घर की बात करें तो, भारत की 1951 की जनगणना के अनुसार, शिक्षित लोग (कम से कम मैट्रिक पास) की संख्या पूरी आबादी (लगभग 36 करोड़) का करीब 1 फीसदी यानि 36 लाख थी; स्नातक बेरोजगारी उस 1 प्रतिशत की लगभग 5 फीसदी (लगभग 2 लाख) थी। इसकी तुलनाआज युवा स्नातकों में लगभग 40 प्रतिशत बेरोजगारी से करें। आज देश की जनसंख्या (140 करोड़ या अभी भी बढ़ रही है) 1951 की जनगणना की तुलना में चार गुना अधिक है। हर साल लगभग 50 लाख स्नातक जॉब मार्केट में प्रवेश करते हैं... आप अपने निष्कर्ष खुद निकाल सकते हैं। केवल ऐसा नहीं है कि अवसर सीमित हैं; यहां मामला तथाकथित स्नातक की गुणवत्ता का भी है।

हमारी विशाल जनसंख्या, जिसका आधा हिस्सा तीस वर्ष से कम आयु का है, देश का जनसांख्यिकीय लाभांश होना चाहिए। दुर्भाग्य से, कुल मिलाकर यह अल्प शिक्षित, अल्पपोषित और बेरोजगार है। यह तेजी से एक 'टाइम बम' बनता जा रहा है, जिसका दुरुपयोग इस देश की सफलता के विरोधी तत्व कर सकते हैं। लंबे समय से हमारे राजनीतिक नेता शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की अनदेखी करते आए हैं, इन बुनियादी क्षेत्रों को मामूली बजट आवंटित किया जाता है और जनता को अशिक्षित रखने को तरजीह है ताकि वह झांसे में आती रहे और उसे स्वार्थी उद्देश्यों के लिए मनमाफिक हांका जा सके। 20-29 वर्ष के आयु वर्ग में एक करोड़ बेरोजगार होना, चुनौतीपूर्ण आंकड़ा है—यह कुछ देशों की आबादी से भी अधिक है।

चिंताजनक है कि हमारे पास कोई सामाजिक सुरक्षा तंत्र नहीं। जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने इस स्थिति को ऐसे अभिव्यक्त किया है : 'सबसे बड़ी बुराई और सबसे बुरा अपराध गरीबी है'। हमारे यहां बड़ी संख्या में लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। सोशल मीडिया व व्यापक दुनिया से जुड़े युवाओं की आकांक्षाएं कहीं अधिक हैं। यह आयु वर्ग आसानी से कट्टरपंथी बन जाता है, खासकर जब सत्तारूढ़ दल स्वयं ऐसी विचारधारा प्रचार करने वाले हों।

जहां कहीं बेरोजगारी और उससे जुड़ी बुराइयां सामने आने लगती हैं, वहां पर एक प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिसे दुनियाभर में चरम दक्षिणपंथियों या वामपंथियों की बढ़ती जीत संग देखा जा सकता है। तेज बढ़ते शत्रुतापूर्ण वैश्विक और क्षेत्रीय माहौल में, हम हाथ-पर-हाथ धरना गवारा नहीं कर सकते। विगत में, बेरोजगार युवाओं को अपनी शिकायतें और कुंठा जताने और समाधान खोजने को उचित मंचों की कमी के कारण पंजाब, मध्य भारत, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना आदि में उग्रवादी विचारधारा को बढ़ावा मिला था। चरमपंथी आंदोलन नियंत्रित करने के लिए, उस समय की सरकारों ने अंतिम उपाय चुना - बल प्रयोग - जिसके परिणामवश आगे और बड़े पैमाने पर अलगाव और सामाजिक उथल-पुथल बनी।

बेहतर शिक्षा, प्रशिक्षण और तीव्र औद्योगीकरण के जरिए उपयोगी रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास बहुत कम किया गया। आज भी, बुनियादी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, चुनावी जीत के लिए जनता को लुभाने के लिए अनुत्पादक, मुफ्त सुविधाएं देने की आसान राह अपनाने की होड़ है जो जनता के लिए 'नया नशा' बन गया। हालांकि, बरसों मुफ्त की रेवड़ियों के बाद भी बेरोजगार उतने ही हैं। ये सब कारक मिलकर आपराधिक गिरोह, उग्रवाद और नशीली दवाओं के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल को जन्म देते हैं। इन दवाओं के व्यापार में, सरकारें, सियासी दल, नौकरशाही और पुलिस की मिलीभगत से पोषित नया दुष्ट उद्योग पनप गया। एक युवा राष्ट्र का तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश तेजी से खतरे में पड़ रहा और एक बोझ में बदल रहा है।

युवाओं के साथ 'सामाजिक अनुबंध' को नवीनीकृत करने और उन्हें सुरक्षा, न्याय, शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और स्थिर सामाजिक कल्याण प्रणाली देने की आवश्यकता है, जो किसी संप्रभु राष्ट्र के प्राथमिक कर्तव्य हैं।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

यदि एआई के समाधान गलत निकले तो सवाल किससे करेंगे

डॉ. सामी महरुम



अब जब एआई खुद ही हाइपोथीसिस लिख रहा है, प्रयोगों को डिजाइन कर रहा है और उनके नतीजे भी लिख दे रहा है तो वैज्ञानिकों को भी इसके अनुरूप खुद को ढालना होगा। ज्ञान की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए यह जरूरी होता है कि उसके स्रोत भरोसेमंद हों और वह जनता के प्रति जवाबदेह भी हो। लेकिन मौजूदा एआई क्षमताओं को देखते हुए क्या अब यह भी मायने नहीं रखने वाला है कि शोध कौन कर रहा है? इस सवाल का सहज जवाब यही होगा कि तथ्य तो तथ्य है, इससे क्या फर्क पड़ता है कि इसे किसने खोजा। लेकिन ज्ञान का प्रसार इस तरह नहीं होता। हमें ज्यादातर वैज्ञानिक दावे ऐसे मिलते हैं, जिनको जांचने के तरीके हमारे पास नहीं होते। इसलिए हम दावे के बजाय उसके पीछे मौजूद व्यक्ति या संस्था की विश्वसनीयता को परखते हैं।

हार्वर्ड के प्रोफेसर स्टीवन शेपिन कहते हैं कि वैज्ञानिक सत्य की स्थापना हमेशा से ही अपने साथी वैज्ञानिकों को उस पर भरोसा दिलाने की सामाजिक प्रक्रिया से जुड़ी रही है। विज्ञान में प्रतिष्ठा केवल विचारों से नहीं बनती, बल्कि संस्थानों, विभागों और प्रयोगशालाओं में निहित रहती है। इन संस्थानों की साख वहां से निकलने वाले शोधों को भी विश्वसनीयता देती है। किसी प्रतिष्ठित संस्थान को छोड़कर जाने वाला वैज्ञानिक अपने साथ उस संस्थान की साख का कुछ हिस्सा भी ले जाता है। अनुकूल परिस्थितियों में वह नए संस्थान को भी एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है।

विश्वसनीयता को हमेशा किसी न किसी ऐसे माध्यम की जरूरत रही है, जिसके जरिए वह लोगों तक पहुंचे। समय के साथ यह माध्यम बदलता रहा है और अकसर इसका विरोध भी हुआ है। विश्वसनीयता के लिए किसी एक विद्वान के बजाय प्रामाणिक संस्थानों, पीयर रिव्यू और शोध मूल्यांकन को महत्व मिलने लगा, तब भी आलोचकों ने आपत्ति जताई थी। अब जब यह स्वामित्व इंसानों से मशीनों के पास जाने की स्थिति बन रही है तो इस पर श्रेय, मौलिकता और योग्यता के संदर्भ में आपत्तियां तो जताई ही जाएंगी। अब शोध को संचालित करने वाली व्यवस्था में भी बदलाव आया है। धीरे-धीरे इस व्यवस्था में ध्यान इस बात से हटता गया है कि किसी शोध के नतीजे को कितना समझा गया है और इस पर केंद्रित होता गया है कि वह कितना उपयोगी है। मशीनों से तैयार शोध के नतीजे पहले से ऐसी व्यवस्था के अनुकूल हैं, जो समझ के बजाय नतीजों को अधिक महत्व देती है।

विडम्बना यह है कि पिछले दो दशकों में डेटा को खुला, खोजे जाने योग्य और मशीन द्वारा पढ़े जाने योग्य बनाने के जो प्रयास किए गए थे, उनका उद्देश्य इंसानी शोधकर्ताओं के बीच सहयोग को आसान बनाना था। लेकिन इन्हीं प्रयासों ने वह आधार भी तैयार कर दिया, जिस पर अब ऑटोनॉमस रिसर्च काम कर रही हैं। पिछले साल अमेरिका के स्टार्टअप इंटोलॉजी द्वारा विकसित एआई सिस्टम जोची द्वारा लिखे गए एक शोधपत्र ने एसोसिएशन फॉर कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स की वार्षिक बैठक में पीयर रिव्यू की प्रक्रिया पार कर ली।

इसी तरह, सैन फ्रांसिस्को की संस्था 'फ्यूचरहाउस' के एआई सिस्टम 'रॉबिन' ने हाइपोथीसिस तैयार की, प्रयोगों को डिजाइन किया और नतीजों का विश्लेषण किया। उसने पहले ही मंजूर हो चुकी एक ऐसी दवा की पहचान की, जो अंधेपन के एक प्रमुख कारण के इलाज में उपयोगी हो सकती है। ऑनलाइन प्रकाशित होने वाली सामग्री में पहले ही आधे लेख एआई से तैयार हो रहे हैं।

अब तो डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट तक यह नहीं बता पा रहे हैं कि इनमें से असली कौन-से हैं। ऐसे में क्या अब भी मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों को महत्व देने वाले लोग इस शोर-शराबे में अपनी बात दूसरों को सुना पाएंगे?

मान लीजिए कि कोई एआई सिस्टम नई वैक्सीन विकसित कर देता है। आम जनता को शायद इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि यह काम किसने किया। ठीक वैसे ही, जैसे मरीज यह नहीं पूछते कि उनके खून की जांच किस तकनीशियन ने की है।

लेकिन अगर कुछ गलत हो जाता है तो वे यह जरूर जानना चाहेंगे कि इसके लिए जिम्मेदार किसे ठहराया जाए? व्यक्ति से सवाल पूछे जा सकते हैं, गलती सुधरवाई जा सकती है, उसे अपने दावे वापस लेने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि क्या किसी एआई मॉडल के साथ भी ऐसा किया जा सकेगा?

मक्का पैक्ट से भारत की घेराबंदी की कोशिश

पुष्परंजन

बांग्लादेश में राजनीतिक बदलावों के बाद, एर्दोआन प्रशासन ने ढाका के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है। बांग्लादेश ने तुर्किये से सैन्य उपकरण खरीदे हैं, जिनमें बायराक्तार टीबी-2 ड्रोन, टीआरजी-300 मिसाइल सिस्टम, कोबरा बख्तरबंद वाहन और बोरान होवित्जर तोपें शामिल हैं।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान तुर्किये के अंताल्या में हैं। कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज के शिखर सम्मेलन में उनका आना एक औपचारिकता और रस्मों-उल्फत निभाने जैसा नहीं है। यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन का 31वां वार्षिक सत्र है। इस सम्मेलन की मेज़बानी तुर्किये कर रहा है। सम्मेलन का मुख्य मकसद वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयासों की समीक्षा करना है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव जलवायु वार्ता में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। एर्दोआन से रिश्ते बेहतर होते, तो संभवत: प्रधानमंत्री मोदी वहां जाते।

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन ने मंगलवार को तुर्किये के अंताल्या में बांग्लादेश से संबंधों को मजबूत करने के लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। लगभग 30 मिनट की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान और विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कोबीर भी मौजूद थे। विदेश सचिव सलाहुद्दीन नोमान चौधरी ने बताया कि बांग्लादेश की मुख्य प्राथमिकताओं में अनुकूलन के लिए वित्त जुटाना, नुकसान और क्षति के मुद्दों को संबोधित करना और विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त के लिए किए गए वादों को प्रभावी ढंग से लागू कराना शामिल है। विदेश सचिव ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जूट उत्पादों के उपयोग और प्रचार-प्रसार को लेकर बांग्लादेश और तुर्किये के बीच एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर होने की भी उम्मीद है।

लेकिन, असली कार्ड अभी खोला नहीं गया है। क्या बांग्लादेश, 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' का हिस्सा बनना चाहता है? मक्का संयुक्त रक्षा समझौता सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच 7 अगस्त, 2026 को मक्का में हुआ एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौता है। नाटो के अनुच्छेद 5 की तर्ज पर किए गए समझौते पर गौर कीजिए, जिसके अनुसार—'तीनों देशों (सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये) में से किसी एक पर भी किया गया सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा।' मक्का समझौते के तहत तीनों देश आपस में खुफिया जानकारी साझा करेंगे, रक्षा उत्पादन और हथियारों के निर्माण में एक-दूसरे की मदद करेंगे और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त रूप से काम करेंगे।

मक्का पैक्ट में यदि बांग्लादेश शामिल होता है, तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की



स्थिति में ढाका को इस्लामाबाद का पक्ष लेना होगा। यह भारत के लिए खतरे की घंटी है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने पिछले दिनों संसद में एक सवाल के जवाब में कहा था, 'हम इस पैक्ट को पॉजिटिव नजरिए से देखते हैं।' जब बांग्लादेशी नेताओं और राजनयिकों के कमेंट्स के हवाले से पूछा गया, तो भारत ने कहा कि इस पैक्ट का उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा और वह हालात पर करीब से नजर रख रहा है।

हालांकि, बांग्लादेश का इसमें शामिल होने का कोई भी कदम भारतीय सहयोग को मुश्किल बना सकता है। दोनों देशों के बीच 4,096 किलोमीटर की जमीनी सीमा है और उनके बीच मजबूत सांस्कृतिक-आर्थिक रिश्ते हैं। इन रिश्तों में कैसे दरार आए, इसका प्रयास एर्दोआन पाकिस्तान के सहयोग से करने लगे हैं। ढाका में नॉर्थ साउथ यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर नवीन मुर्शिद की धारणा है कि मक्का एग्रीमेंट के जरिए बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ने में पाकिस्तान की दिलचस्पी भौगोलिक और राजनीतिक वजहों से है। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए, सिलीगुड़ी कॉरिडोर और उसकी पूर्वी सीमा की सुरक्षा जरूरी बातें हैं।' उन्होंने भारत के अपने उत्तर-पूर्वी राज्यों से पतले जमीनी संपर्क का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर में बांग्लादेश उसे घेरे हुए है। उन्होंने समझाया कि ऐसे हालात में बांग्लादेश को साफ तौर पर यह तय करना होगा कि वह इस अलायंस में शामिल होकर क्या करेगा और क्या नहीं करेगा। लेकिन, ढाका में रहने वाले पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर को बांग्लादेश के इस समझौते में शामिल होने का कोई कारण नहीं दिखता। उनकी टिप्पणी थी, 'बांग्लादेश पिछले 50 से 55 वर्षों में किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं हुआ है। जहां तक मेरा सवाल है, मेरा मानना है कि आज भी यह रुख बदला नहीं है।'

क्या वास्तव में पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर जो सोच रहे हैं, वह सही है? ऐसा लगता नहीं। बांग्लादेश में राजनीतिक बदलावों के बाद, एर्दोआन प्रशासन ने ढाका के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है। बांग्लादेश ने तुर्किये से सैन्य उपकरण खरीदे हैं, जिनमें बायराक्तार टीबी-2 ड्रोन, टीआरजी-300 मिसाइल सिस्टम, कोबरा बख्तरबंद वाहन और बोरान होवित्जर तोपें शामिल हैं। इसके साथ ही, दोनों देश रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन और औद्योगिक सहयोग पर भी काम कर रहे हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अंताल्या में हुई मुलाकात को औपचारिक मत मानिए। इस दौरान उन्होंने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री रहमान ने एर्दोआन को बांग्लादेश की आधिकारिक यात्रा के लिए भी आमंत्रित किया है। तुर्किये का लक्ष्य 2030 तक दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल होना है। इसके लिए वह दक्षिण एशियाई साझेदारियों का उपयोग प्रमुख बाजारों और उत्पादन केंद्रों के रूप में कर रहा है।

एक बात तो सुनिश्चित मानिए, एर्दोआन हिंद महासागर क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए 'इस्लामिक एकजुटता', 'ग्लोबल साउथ' के पक्ष वाले विमर्श और सुरक्षा सहायता का सहारा ले रहे हैं। इसके जरिए वे मुस्लिम जगत में मौजूद प्रतिद्वंद्वी शक्ति संरचनाओं को चुनौती भी देना चाहते हैं। तुर्किये ने रोहिंग्या शरणार्थी मुद्दे पर लगातार बांग्लादेश का समर्थन किया है। एर्दोआन ने कॉक्स बाजार में मानवीय सहायता पहुंचाई और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय तथा इस्लामिक सहयोग संगठन में भी ढाका के रुख का समर्थन किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एर्दोआन खुद को वैश्विक मुस्लिम समुदाय के एक प्रमुख संरक्षक और नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

लेखक जियोपॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

गोवर्धन पूजा पर अरुण वोरा का छत्तीसगढ़िया अंदाज, राउत नाचा की धुन में थिरक उठे



दुर्ग। गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर दुर्ग शहर के वार्ड क्रमांक 54, पोटियाकला में उत्साह, उल्लास और लोकसंस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा यादव समाज के बीच पहुंचे और पर्व की खुशियां साझा कीं। पारंपरिक राउत नाचा की मनमोहक धुनों के बीच अरुण वोरा भी स्वयं को थिरकने से रोक नहीं सके और लोकनृत्य में सहभागी बनकर उत्सव के उल्लास को और बढ़ा दिया। मांदर और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप, राउत नाचा की रंगीन वेशभूषा तथा लोकगीतों से पूरा वातावरण छत्तीसगढ़ी संस्कृति के रंग में सराबोर नजर आया। अरुण वोरा ने समाजजनों के साथ राउत नाचा में हिस्सा लेकर यह संदेश दिया कि हमारी लोक परंपराएं केवल देखने और सराहने की चीज नहीं, बल्कि इन्हें आत्मसात करना और अगली पीढ़ी तक पहुंचाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की लोककलाओं, परंपराओं और आपसी भाईचारे से है। ऐसे आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ ही हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखते हैं।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने धूमधाम से मनाया भाई दूज का पावन पर्व

दुर्ग। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के प्रतीक पर्व भाई दूज के पावन अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने बड़े भाई अशोक चंद्राकर एवं खुमेन्द्र चंद्राकर के साथ अपनी बड़ी बहन श्रीमती सुनंदा चंद्राकर एवं श्रीमती सरोज चंद्राकर के निवास स्थान पहुंचकर भाई दूज की रस्म पूरी की। इस अवसर पर बहनों ने विधि-विधानपूर्वक भाई की पूजा-अर्चना की। बहनों ने भाई के माथे पर तिलक लगाया, हाथ में रक्षा सूत्र बांधा, मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया और नारियल भेंट कर भाई के दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विधायक ललित चंद्राकर ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया और जीवनभर रक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान पूरा वातावरण स्नेह, आत्मीयता और पारिवारिक प्रेम से सराबोर रहा। विधायक जी ने इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों एवं प्रदेशवासियों को भाई दूज पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाई दूज का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत करता है। यह पर्व हमें एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सम्मान और रक्षा के भाव को संजोकर रखने की प्रेरणा देता है।

पुलिस परिवार की बेटी गायिका पूर्वा श्रीवास्तव ने बीबीए में हासिल किया स्वर्ण पदक, राज्यपाल रमेन डेका ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। प्रतिभा, मेहनत और लगन के दम पर दुर्ग की होनहार बेटी एवं गायिका पूर्वा श्रीवास्तव ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, बिलासपुर से बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) की पढ़ाई करने वाली पूर्वा ने वर्ष 2021-2024 बैच में विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया है। उनकी इस उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका के हाथों उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पूर्वा की यह सफलता उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन, लगन और समर्पण का परिणाम है। खास बात यह है कि पूर्वा ने पढ़ाई के साथ-साथ संगीत और गायन के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। गायन के क्षेत्र में अब तक उन्हें 50 से अधिक प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। पूर्वा को बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीतकार आनंद-मिलिंद और वरिष्ठ गायिका पूर्णिमा के साथ मंच साझा करने का अवसर मिल चुका है। वहीं बॉलीवुड अभिनेता आदित्य पंचोली भी उनके गायन की भूरी-भूरी प्रशंसा कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने भी पूर्वा के जन्मदिन के अवसर पर उनकी प्रतिभा का सम्मान किया था। पूर्वा श्रीवास्तव पुलिस परिवार से संबंध रखती हैं। उनके पिता डॉ. यशवंत श्रीवास्तव दुर्ग स्थित रेंज साइबर थाना में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर पदस्थ हैं। पूर्वा की उपलब्धियों को लेकर पुलिस विभाग के अधिकारियों ने हमेशा उनका उत्साहवर्धन किया है। विशेष रूप से आईजी अभिषेक शांडिल्य ने दुर्ग जिले में पदस्थापना के दौरान पूर्वा को निरंतर प्रोत्साहित किया और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

बीएसपी का यूनिवर्सल रेल मिलः सीखने, नवाचार और निरंतर सुधार के एक दशक की गौरवगाथा

नई तकनीक में दक्षता हासिल करने से लेकर उत्कृष्ट परिचालन प्रदर्शन तक, यूआरएम के कर्मियों ने चुनौतियों को अवसरों में बदला

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) में दिसंबर 2016 में उत्पादन प्रारंभ होना, रेल निर्माण के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के एक नए युग की शुरुआत थी। हालांकि, इस अत्याधुनिक मिल की स्थापना के साथ ही यहां कार्यरत युवा कर्मियों के सामने उन्नत तकनीक पर आधारित उपकरणों के संचालन एवं रखरखाव की नई चुनौतियां भी थीं। शुरुआती दौर में उपकरणों में खराबी, रोलिंग संबंधी कठिनाइयों, गुणवत्ता संबंधी समस्याओं और प्रक्रिया संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा।

समय के साथ यूआरएम की टीम ने इन चुनौतियों को सीखने, नवाचार और निरंतर सुधार के अवसरों में परिवर्तित किया। व्यवस्थित शॉप-फ्लोर समस्या समाधान और तकनीकी सुधारों के माध्यम से कर्मियों ने परिचालन दक्षता, प्रक्रिया स्थिरता और उत्पाद गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाया।

फर्नेस, मिल, कूलिंग बेड और फिनिशिंग क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण पहल की गईं। फर्नेस संचालन एवं ब्लूम स्पेसिंग का अनुकूलन, रोल की गुणवत्ता एवं कूलिंग व्यवस्था में सुधार, गाइड एवं स्ट्रेटनिंग मशीनों में आवश्यक संशोधन तथा ऑटोमैटिक ऑनलाइन रेल आईडी प्रिंटिंग की शुरुआत से उत्पादकता, गुणवत्ता और ट्रेसेबिलिटी को मजबूती मिली। री-फिनिशिंग कॉम्प्लेक्स का विकास एवं कमीशनिंग मिल की फिनिशिंग क्षमता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण रहा, वहीं रेल वेल्डिंग लाइन में किए गए सुधारों से 260 मीटर लंबे वेल्डेड रेल पैनल के उत्पादन को बढ़ावा मिला।

यूआरएम की यह परिवर्तनकारी यात्रा इसके प्रदर्शन में भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। वित्त वर्ष 2018-19 में लगभग 3.69 लाख टन रहा प्राइम रेल उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 9.11 लाख टन हो गया। इसी अवधि में प्राइम ऐक्सेप्टेन्स का स्तर 85 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हो गया। कुल उत्पादन में 130 मीटर लंबी रेल की हिस्सेदारी भी 12.59 प्रतिशत से बढ़कर 73.87 प्रतिशत तक पहुंच गई।

यूआरएम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यहां के कर्मियों की तकनीकी दक्षता एवं अनुभव का निरंतर विकास भी है। नियमित तकनीकी सत्रों, ज्ञान के आदान-प्रदान, इन-हाउस संशोधनों और सुदृढ़ निवारक रखरखाव पद्धतियों ने नवाचार एवं निरंतर सीखने की संस्कृति को प्रोत्साहित किया है।

अब तक लगभग एक लाख किलोमीटर लंबी रेल का डिस्पैच कर चुका यूनिवर्सल रेल मिल देश के रेल अवसंरचना विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यूआरएम की यह यात्रा इसके कर्मियों के सामूहिक संकल्प, तकनीकी दक्षता और सतत प्रयासों का प्रमाण है, जिन्होंने नई तकनीक को अपने अनुभव और विशेषज्ञता से आत्मसात करते हुए परिचालन संबंधी चुनौतियों को उत्कृष्टता के अवसरों में परिवर्तित किया है।

वरिष्ठ साहित्यकार व नाट्यकर्मी अबू तारिक दुबई में सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और माटी से जुड़ाव का दायरा सात समंदर पार दुबई तक फैल चुका है। इसी कड़ी में दुर्ग-भिलाई के जाने-माने वरिष्ठ साहित्यकार और नाट्यकर्मी मुहम्मद अबू तारिक को सपत्नीक दुबई में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं दीवाली मिलन समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने विदेशों में रह रहे प्रवासियों को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने का एक अनूठा उदाहरण पेश किया है।

नॉर्थ अमेरिकन छत्तीसगढ़ी एसोसिएशन 'नाचा' की यूएई इकाई के तत्वावधान में दुबई में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस और दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस भव्य आयोजन में नाचा-यूएई के अध्यक्ष अमित उपाध्याय के आमंत्रण पर भिलाई के प्रख्यात साहित्यकार एवं नाट्यकर्मी मुहम्मद अबू तारिक ने अपनी पत्नी के साथ खास तौर पर शिरकत की। उनके कला, साहित्य और नाट्य क्षेत्र में दिए गए बहुमूल्य योगदान को देखते हुए उन्हें इस आयोजन में सम्मानित किया गया, जिससे छत्तीसगढ़ और इस्पात नगरी भिलाई का नाम गौरवान्वित हुआ है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और कनाडा में रह रहे छत्तीसगढ़ी मूल के प्रवासियों (एनआरआई) के 'नाचा' का विस्तार दुनिया भर में हो रहा है और यूएई में भी 'नाचा' की इकाई सक्रिय है। आयोजन में अबू तारिक को छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को देखते हुए सम्मानित किया गया। सेल की इकाई भिलाई रीप्रैक्टरीज प्लांट-बीआरपी से सेवानिवृत्त मुहम्मद अबू तारिक ने साहित्य और नाट्य कला में कई आयाम गढ़े हैं। उन्होंने लगभग 25 नाटकों का लेखन, निर्देशन और अभिनय किया है। उनके प्रमुख साहित्यिक व नाट्य कार्यों में 'वर्तमान का अभिशाप', 'नर पिशाच', 'बंधुआ मजदूर' (जिसे 13 सम्मान मिले),बीएसपी की बहुभाषी नाटक प्रतियोगिता में 'जागृति' का मंचन, डी एन. शर्मा के साथ कुष्ठ रोग के विरुद्ध जागरूकता के लिए नाटक, सेवानिवृत्ति के अंतिम दिन तक बीआरपी में सुरक्षा आधारित नाटकों का सफल मंचन जारी रहा। इसके अलावा शिमला, नागपुर, इलाहाबाद और दिल्ली आदि विभिन्न शहरों में भी अपनी नाट्य कला का प्रदर्शन किया है।

कसारीडीह के प्रशांति मंदिर पहुंचा श्री सत्य साईं प्रेम प्रवाहिनी रथ, भक्तों ने किया भव्य स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भगवान श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर प्रेम, सद्भावना, आपसी भाईचारे और मानवीय मूल्यों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से श्री सत्य साईं प्रेम प्रवाहिनी रथ का कसारीडीह स्थित प्रशांति मंदिर में आगमन हुआ। इस अवसर पर मंदिर समिति के सभी साईं भक्तों ने उत्साह और उल्लास के साथ रथ का आत्मीय स्वागत किया। रथ के आगमन पर प्रशांति मंदिर में विशेष भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। साईं भक्तों ने भक्तिमय वातावरण में भगवान श्री सत्य साईं बाबा का स्मरण एवं गुणगान किया। कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

श्री सत्य साईं प्रेम प्रवाहिनी रथ का मार्गदर्शन श्री सत्य साईं सेवा संगठन छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष डॉ. टी. रामा राव द्वारा किया जा रहा है, वहीं रथ यात्रा का नेतृत्व समिति के जिला अध्यक्ष संदीप नायडू ने किया। इस पहल का उद्देश्य भगवान श्री सत्य साईं बाबा के प्रेम, सेवा, सद्भावना, संस्कार और मानवीय मूल्यों के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है।

इस अवसर पर प्रशांति मंदिर में समिति के राज्य शैक्षणिक प्रभारी देवेंद्र स्वाइन सहित आई.एल. साहू, आर.के. तिवारी, हरीश चंद ठाकुर, दिलीप ठाकुर, श्रीनिवास राव, सौरभ पांडे, नवीन त्रिपाठी, रंगदमन, एस.एन. बालुंजकर, अरविंद ठाकुर, देव कुमार साहू, वाई.के. चौधरी, सुखचंद साहू, रामनाथ साहू, संजय खानखोजे, के.आर. मुदलियार, पदुम निषाद, गौरव ठाकुर, शुभम राजपूत एवं तुषार साहू उपस्थित रहे। महिला भक्तों में यमला साहू, सुशीला साहू, इंद्राणी मिश्रा, गायत्री ठाकुर, लता चौधरी, पल्लवी देशपांडे, अन्नपूर्णा राव, मीरा राजपूत, सरस्वती साहू, वी. सुहासिनी, पूजा साहू, मनीषा राजपूत एवं कृष्णा राव सहित अनेक साईं भक्तों की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी भक्तों ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए प्रेम, सेवा और सद्भावना के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

मातर तिहार : दईहान पहुँचे मंत्री गजेन्द्र यादव, फुलेता लेकर दोहा लगाए, और गाय को सोहाई बांधे

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं का पर्व मातर तिहार दुर्ग में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न दईहान (गौठान) पहुंचे और यदुवंशी समाज के लोगों के साथ मातर तिहार की खुशियां साझा की। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना कर उन्हें सोहाई बांधी और पारंपरिक रूप से डांड़ खेलाने की रस्म निभाई। इस दौरान उन्होंने हाथों में फुलेता लेकर दोहा लगाए और यदुवंशी समाज के लोगों के साथ पारंपरिक नृत्य में शामिल होकर उत्सव का आनंद लिया।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोकसंस्कृति और जीवंत परंपराओं से है। मातर तिहार हमारी इसी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व गौवंश के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के साथ समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देता है। ऐसे पर्व हमारी नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का काम करते हैं। दईहान में यदुवंशी समाज के लोग रंग-बिरंगी पगड़ी, पारंपरिक वेशभूषा, हाथों में फुलेता और पैरों में घुंघरू पहनकर बाजे-गाजे के साथ नाचते-गाते नजर आए। पारंपरिक मड़ई लेकर निकले समाजजनों ने दोहा और लोकगीतों के साथ पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। मंत्री श्री यादव भी उनके साथ कदम से कदम मिलाकर थिरके और इस लोकपरंपरा का हिस्सा बने। इस अवसर पर उन्होंने मातर तिहार मनाने पहुंचे सभी नागरिकों का अभिवादन किये, बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिये और सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दुर्ग की पहचान यहां की सांस्कृतिक एकता और आपसी सद्भाव से है। हम सभी मिलकर अपनी परंपराओं को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं।

आरएमपी-3 में महत्वपूर्ण अनुरक्षण कार्यों के सफल निष्पादन के लिए श्रमिक सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज



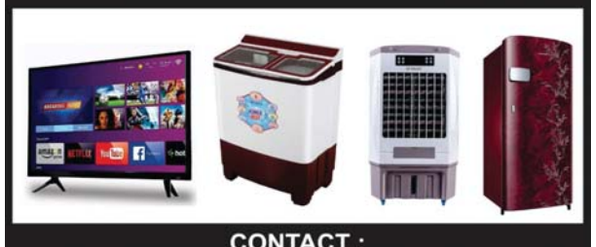
भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एलडीसीपी विभाग के अंतर्गत संचालित आरएमपी-3 विभाग के सभागार में आयोजित एक समारोह में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए संविदा श्रमिकों को सम्मानित किया गया। श्रमिकों ने अपनी तकनीकी दक्षता, तत्परता एवं बेहतर कार्य समन्वय से महत्वपूर्ण अनुरक्षण कार्यों को निर्धारित समय से पहले पूरा कर उपकरणों की सुरक्षा एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित किया। श्रमिकों के कुशल कार्य निष्पादन से उत्पादन में निरंतरता के साथ ही विभाग आर्थिक बचत भी सुनिश्चित हुई।

समारोह में विभाग प्रमुख एवं महाप्रबंधक वी.के. ओगले ने टीम के सदस्यों को प्रशस्ति-पत्र, उपहार एवं मिठाई प्रदान कर सम्मानित किया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। सोमनाथ नायक, राहुल दास माणिकपुरी, आकाश चेलक एवं महेंद्र साहू को 200 टन क्षमता वाले चिलर प्लांट की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव में महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वहीं बालदाऊ साहू, धनसिंह जंघेल, चाणक्य देशमुख, परसराम साहू एवं धनीराम को बूस्टर गैस के अनुरक्षण कार्य के दौरान तीन बूस्टर एवं एक इलेक्ट्रिक मोटर को मात्र पांच घंटे में बदलने के चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए श्रमिकों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक संजय नायक, महाप्रबंधक (एलडीसीपी एवं आरएमपी-3) भरत चंद्र नायक उपस्थित थे। वी.के. ओगले ने टीम के समन्वय एवं मार्गदर्शन में सहायक महाप्रबंधक (एलडीसीपी एवं आरएमपी-3) राजकुमार सिंह एवं सहायक प्रबंधक (एलडीसीपी एवं आरएमपी-3) विलास कुमार झा के विशेष योगदान का उल्लेख करते हुए, कार्यों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित निष्पादन की प्रशंसा की।

श्रमिकों ने चिलर प्लांट को निरंतर एवं सुचारू रूप से कार्यशील बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, यूपीएस, ईसीआर, वीएफडी, सर्वर एवं विभिन्न नियंत्रण उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही विभाग की महत्वपूर्ण तकनीकी प्रणालियों का निर्बाध संचालन संभव हो सका। सामान्य परिस्थितियों में लगने वाले समय (लगभग 16 घंटे) से बहुत कम समय में बूस्टर गैस के अनुरक्षण कार्य को पूरा कर टीम के सदस्यों ने अपनी तकनीकी दक्षता, तत्परता एवं आपसी समन्वय परिचय दिया।

इससे उत्पादन में संभावित व्यवधान को टालने के साथ ही विभाग के कार्यों की निरंतरता बनाए रखने में सहायता मिली। कार्यक्रम में उपस्थित समूह के सभी सदस्यों ने इस सम्मान के लिए संयंत्र प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का प्रोत्साहन उन्हें भविष्य में भी इसी लगन एवं समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



ग्राम पंचायत स्तर पर विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया हुई आसान

बीजापुर। जिला प्रशासन बीजापुर की डिजिटल जनसेवा पहल के तहत सेवा सेतु के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न शासकीय सेवाओं को सुलभ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ऑनलाइन व्यवस्था से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित प्रक्रियाओं में सुविधा मिल रही है और ग्राम स्तर पर डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ रही है। इसी क्रम में 'ग्राम कोमला, ग्राम पंचायत एरमनार, तहसील एवं जिला बीजापुर, निवासी 'दिनेश कुड़ियम' के विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदन पर प्रक्रिया की गई। इस आवेदन का संदर्भ क्रमांक '22378012618000535' है। विवाह पंजीयन जैसी आवश्यक सेवा को ऑनलाइन उपलब्ध कराने की पहल से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा और समय की बचत हो सकती है। सेवा सेतु नागरिकों तक शासकीय सेवाएं पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और जनसुविधाओं को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाना है।

बलौदाबाजार : ग्राम सभा का आयोजन 16 नवम्बर को

बलौदाबाजार। जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में 16 नवम्बर को ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्राम सभा हेतु समय-सारिणी तैयार कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। ग्राम सभा में शतप्रतिशत गणपूर्ति सुनिश्चित कराने का दायित्व सरपंच व पंचो का होगा। ग्राम सभा में ग्राम पंचायत के बजट, विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति एवं प्रगति की समीक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

जनजातीय लोक नृत्य और लोक कलाओं की प्रस्तुतियों से जीवंत हुई समृद्ध सांस्कृतिक विरासत

जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। जनजातीय समाज की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली विरासत को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से रायगढ़ के संत पूज्य श्री प्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट में जिला स्तरीय उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव में जिले के सातों विकासखंडों से पहुंचे कलाकारों ने पारंपरिक लोक नृत्य एवं लोक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियों से जनजातीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि को प्रदर्शित किया।



कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीरांगना रानी दुर्गावती सहित अन्य महापुरुषों के छायाचित्रों पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगीत एवं राज्यगीत का सामूहिक गायन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सर्व आदिवासी समाज के सचिव डॉ. बाल किशोर भगत ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव का आयोजन समाज के लिए अत्यंत गौरव और महत्व का विषय है। हमारी संस्कृति, संस्कार, नृत्य, बोली और भाषा अत्यंत समृद्ध हैं। इन परंपराओं को संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में आगे बढ़ना और उच्च शिक्षा प्राप्त कर अच्छे पदों पर पहुंचना जरूरी है, लेकिन इसके साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं को कभी नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की असली पहचान उसकी संस्कृति, संस्कार, लोकगीत और लोकनृत्य हैं। लोकनृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की समृद्धि, एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है। छत्तीसगढ़ की 42 जनजातियों में अलग-अलग विशेषताएं और कलात्मक प्रतिभाएं हैं। आवश्यकता है कि सभी जनजातियां अपनी पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन करें, ताकि हमारी सांस्कृतिक विरासत और अधिक समृद्ध हो। उन्होंने कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में इस आयोजन को और अधिक भव्य स्वरूप देने का आह्वान किया।

नगर निगम रायगढ़ के सभापति डिग्री लाल साहू ने जनजातीय समाज को जय जोहार करते हुए कहा कि जनजातीय समाज अपनी विशिष्ट लोक संस्कृति और परंपराओं के लिए जाना जाता है। किसी भी सांस्कृतिक आयोजन में जनजातीय कलाकारों की भागीदारी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाती है। उन्होंने समाज में संगठन और एकजुटता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि एकजुटता से ही समाज की विकास यात्रा आगे बढ़ती है। उन्होंने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज से अनेक व्यक्तित्व देश के महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे हैं। आगामी 15 नवंबर को पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी जनजातीय गौरव दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा।

सातों विकासखंडों के कर्मा दलों ने दी आकर्षक प्रस्तुति, विजेताओं को मिले आकर्षक पुरस्कार

उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव के अंतर्गत जिले के सभी सातों विकासखंडों के कर्मा नृत्य दलों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रत्येक दल को अपनी कला एवं सांस्कृतिक परंपरा के प्रदर्शन के लिए 15 मिनट का समय दिया गया। कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और लयबद्ध नृत्य के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिसमें विकासखण्ड लैलूंगा के कर्मा लोक नृत्य दल मोहनीपुरी चंवरपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं घरघोड़ा के लोक नृत्य कर्मा पार्टी आमापाली (बहिरकेला) ने द्वितीय, धरमजयगढ़ के भंडारीपारा कर्मा पार्टी सिथरा ने तृतीय एवं विकासखण्ड तमनार के जय मां कर्मा सेनी कर्मा नृत्य मंडली ग्राम मौहापाली ने चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल को 50 हजार रुपये, द्वितीय को 25 हजार रुपये, तृतीय को 15 हजार रुपये तथा चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले दल को 10 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसी प्रकार शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय लोक कला नृत्य प्रतियोगिता में भी सातों विकासखंडों की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें घरघोड़ा विकासखण्ड के आदि शक्ति कर्मा पार्टी कोटरीमाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं लैलूंगा के कर्मा आदिवासी लोक नृत्य दल खेडआमा ने द्वितीय, धरमजयगढ़ के मां लक्ष्मी कर्मा पार्टी भुण्डीबहरी ने तृतीय, खरसिया के गेढ़ी नृत्य कर्मा पार्टी छिरपानी ने चतुर्थ एवं विकासखण्ड रायगढ़ के बसंत विश्वकर्मा दल डोंगीतराई पांचवे स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल को 21 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 5 हजार 100 रुपये प्रदान किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को अपनी पारंपरिक कला और प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, जनजातीय विरासत के संरक्षण का लिया संकल्प

महोत्सव के दौरान जनजातीय समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान, लोक परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को सहेजने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे न केवल स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि नई पीढ़ी भी अपनी पारंपरिक विरासत से जुड़ने के लिए प्रेरित होती है।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा खलखो, जनपद पंचायत रायगढ़ के उपाध्यक्ष रामश्याम डनसेना, सोहन चौधरी, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती शांता भगत एवं श्रीमती अंजू पटेल, अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष तारा सिंह राठिया सहित विभिन्न समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन का दायित्व श्रीमती धनेश्वरी सिदार ने निभाया, जबकि आभार प्रदर्शन अनुराग नामदेव द्वारा किया गया।

बीजापुर के जतिन कोर्राम ने फ्रूट जूस उद्योग से कायम की आत्मनिर्भरता की नई मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना जिले के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शासन की इस योजना का लाभ लेकर बीजापुर जिले के युवा उद्यमी जतिन कोर्राम ने फ्रूट जूस निर्माण एवं प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने की दिशा में सराहनीय पहल की है। उनकी यह पहल न केवल आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

बीजापुर जिले के सुजीत कोर्राम के पुत्र जतिन कोर्राम ने स्वयं का उद्योग स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने का संकल्प लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत फ्रूट जूस निर्माण एवं प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बीजापुर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से उनका ऋण प्रकरण आईडीबीआई बैंक को प्रेषित किया गया। बैंक द्वारा परियोजना का परीक्षण करने के उपरांत ऋण स्वीकृत कर राशि का वितरण भी कर दिया गया।



6 लाख रुपए से अधिक की परियोजना से स्वरोजगार को मिला बढ़ावा- जतिन कोर्राम की फ्रूट जूस निर्माण एवं प्रसंस्करण इकाई की कुल परियोजना लागत 6 लाख 1 हजार रुपए है। इसमें हितग्राही का स्वयं का अंशदान 60 हजार 100 रुपए तथा बैंक ऋण की राशि 5 लाख 40 हजार 900 रुपए है। वहीं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना में 35 प्रतिशत की दर से 2 लाख 10 हजार 350 रुपए का अनुदान प्रावधानित है, जो योजना के निर्धारित नियमों एवं सत्यापन के अधीन है।

स्वरोजगार से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम- इस परियोजना के माध्यम से श्री जतिन कोर्राम ने जूस निर्माण एवं प्रसंस्करण व्यवसाय प्रारंभ करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इकाई के संचालन से एक व्यक्ति को रोजगार प्राप्त हुआ है। यह पहल स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं को नौकरी की तलाश करने के बजाय स्वयं रोजगार सृजित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता एवं अनुदान का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे सीमित संसाधनों वाले युवाओं को भी अपनी उद्यमशीलता और व्यावसायिक क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिल रहा है।

युवाओं के लिए प्रेरणा बनी जतिन कोर्राम की पहल- श्री जतिन कोर्राम की यह सफलता दर्शाती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, सही मार्गदर्शन और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के सहयोग से स्वरोजगार का सपना साकार किया जा सकता है। उनकी पहल जिले के अन्य युवाओं को भी स्वयं का उद्योग स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने की प्रेरणा दे रही है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बीजापुर द्वारा जिले के युवाओं से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आने की अपील की गई है। ऐसे प्रयासों से जिले में स्थानीय रोजगार के अवसरों का विस्तार होने के साथ ही आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बीजापुर के निर्माण को नई गति मिल रही है।

मुकुंदपुर में 5.22 करोड़ के वृहद पुल का भूमि पूजन, बरसात में टूटता संपर्क अब होगा स्थायी

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। एमसीबी जिला के मुकुंदपुर से बलसोत्ता को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित वृहद पुल का भूमिपूजन बुधवार को कोड़िया नाला के पास संपन्न हुआ। पीएमजीएसवाई योजना के तहत बनने वाले इस 120 मीटर लंबे पुल पर 522.08 लाख रुपये खर्च होंगे। भूमिपूजन के साथ ही क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की दिशा में बड़ा कदम उठ गया है।



समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत खड़गवां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम, उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह करियाम, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा और प्रिया मसराम, मुकुंदपुर सरपंच विजय सिंह और जनपद सदस्य सीतावंती भी उपस्थित रहीं।

जिला प्रशासन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कार्यक्रम में पहुंचे। बरसात में क्यों जरूरी है यह पुल मुकुंदपुर से बलसोत्ता मार्ग पर कोड़िया नाला बरसात में सबसे बड़ी बाधा बन जाता है।

स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोज काम पर जाने वालों को घंटों इंतजार करना पड़ता था, कई बार लंबा चक्कर लगाना पड़ता था। नया पुल बनने के बाद यह समस्या स्थायी रूप से खत्म हो जाएगी।

हर मौसम में निर्बाध आवागमन होगा। गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय, बाजार, स्कूल और अस्पताल से और मजबूत होगा। किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुंचाने में भी आसानी होगी और मुकुंदपुर, बलसोत्ता सहित आसपास के दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस और अन्य वाहनों की आवाजाही बिना रुके हो सकेगी। क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और विकास की गतिविधियों को भी गति मिलेगी। ग्रामीणों ने भूमिपूजन पर खुशी जताई और कहा कि पुल बनने से उनका बरसात का संघर्ष खत्म होगा। प्रशासन ने निर्माण कार्य को गुणवत्ता और समय सीमा के साथ पूरा कराने का भरोसा दिलाया।

महतारी वंदन योजना से सीमा को मिला आर्थिक संबल, कुछ आसान हुई गृहस्थी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का आधार बन रही है। योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि से महिलाएं अपने परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। रायगढ़ जिले के ग्राम ननसिया की रहने वाली सीमा चौहान के लिए भी यह योजना काफी मददगार साबित हो रही है।

सीमा चौहान ने बताया कि हर महीने मिलने वाली राशि से घर के जरूरी सामान और बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। इस आर्थिक सहायता से काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि इस महीने दीपावली त्योहार से पहले खाते में मिली राशि से घर की पुताई कराई और बच्चों के लिए मिठाइयां व पूजा की सामग्री खरीदी। सीमा चौहान ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि योजना से मिलने वाली नियमित सहायता महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बना रही है। उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि परिवार की जिम्मेदारियों में सहयोग करने और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का माध्यम बन गई है।

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि महिलाओं के लिए केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान और स्वावलंबन को मजबूत करने वाली पहल है।

7250 गन्ना किसानों ने कमाए 11.34 करोड़

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। राज्य शासन की किसान हितैषी नीतियों के तहत गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, अंबिकापुर, ग्राम केरता के पेराई सीजन 2025-26 के अंतर्गत क्षेत्र के 7250 गन्ना उत्पादक किसानों के बैंक खातों में कुल 11 करोड़ 34 लाख 64 हजार 265 रुपये 78 पैसे की बोनस राशि अंतरित कर दी गई है। किसानों को राज्य शासन द्वारा निर्धारित 95.95 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बोनस का भुगतान किया गया है।



उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्री रामविचार नेताम की उपस्थिति में कृषक चौपाल में गन्ना उत्पादक किसानों ने लंबित बोनस राशि का शीघ्र भुगतान कराए जाने का आग्रह किया था। किसानों की मांग के फलस्वरूप बोनस राशि का भुगतान सुनिश्चित किया गया है। इससे क्षेत्र के हजारों गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक संबल मिला है।

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, ग्राम केरता में पेराई सीजन 2025-26 के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों से कुल 1,18,253.53 मीट्रिक टन गन्ने की खरीदी की गई। किसानों के परिश्रम एवं योगदान को सम्मान देते हुए राज्य शासन द्वारा निर्धारित बोनस राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। बोनस राशि मिलने से किसानों को आर्थिक मजबूती मिलने के साथ ही आगामी फसल की तैयारी में सहायता मिलेगी। इससे क्षेत्र में गन्ना उत्पादन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

इस अवसर पर कारखाना प्रबंधन ने क्षेत्र के समस्त गन्ना उत्पादक किसानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों का अथक परिश्रम, विश्वास एवं सहयोग ही कारखाने की निरंतर प्रगति और सफलता का आधार है। बोनस राशि के भुगतान से किसानों में उत्साह का वातावरण है तथा गन्ने की खेती के प्रति उनका रुझान और अधिक बढ़ेगा।





21 की उम्र में थीं करोड़ों की मालकिन



अभिनेत्री नीतू कपूर बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में से रही हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड एक्टर की थी। इसके बाद लीड एक्ट्रेस के रुप में डेब्यू पर दर्शकों के दिलों में राज किया। 21 साल की उम्र तक वह एक मर्सिडीज कार की मालकिन भी बन चुकी थीं। हाल ही में एक बातचीत में उन्होंने करियर के पीक पर फिल्मी दुनिया छोड़ने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

नीतू ने क्यों छोड़ी फिल्म इंडस्ट्री?

नीतू कपूर बीते दिनों कर्ली टेल्स नाम के एक पॉडकास्ट में पहुंची थीं। वहां उन्होंने बातचीत में कहा, '15 साल की उम्र तक, मेरे पास लगभग पांच प्रॉपर्टी और एक मर्सिडीज थी। मुझे मुख्य भूमिकाओं के ऑफर मिलने शुरू हुए, तब मैं आठवीं कक्षा में थीं। इंडस्ट्री में आने के बाद मैं कभी वापस स्कूल नहीं जा सकी।'

वैजयंतीमाला को दिया श्रेय

आगे अपनी बातचीत में नीतू कपूर ने बताया कि उन्होंने कहीं भी डांस की ट्रेनिंग नहीं ली। उन्होंने कहा, 'मैंने अभिनेत्री वैजयंतीमाला से डांस सीखा था। 'दो कन्या' और 'घर घर की कहानी' में एक बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी।

मैं कभी किसी एक्टिंग स्कूल नहीं गई, लेकिन कैमरे के सामने कभी कोई झिझक नहीं हुई। मुझे लगता है कि इससे मुझे एक्ट्रेस बनने में मदद मिली।'

नीतू कपूर ने शादी के बाद छोड़ी एक्टिंग, पति के निधन के बाद क्यों की वापसी



शादी के बाद छोड़ी एक्टिंग फिर की वापसी

नीतू सिंह ने अपने इंटरव्यू में कहा, 'यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया नहीं था। सब को भले ही 21 साल की उम्र बहुत कम लग सकती है, लेकिन तब तक मैं काफी काम कर चुकी थीं और एक साधारण जीवन जीना चाहती थी।'

आगे पति ऋषि कपूर के निधन के बाद एक्टिंग में कम बैक पर नीतू ने कहा, 'ऋषि के जाने के बाद मैं अकेली हो गई। इसी अकेलेपन की वजह से मैं फिल्मी दुनिया में वापस आ गई।'

करण जौहर के शो में सिद्धार्थ और कियारा ने लगाया ग्लैमर का तड़का



निर्माता-निर्देशक करण जौहर का चैट शो 'कॉफी विद करण' सीजन 9 लोगों को काफी पसंद आ रहा है। अब इस शो में सैफ अली खान और करीना कपूर खान के बाद पावर कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी नजर आए हैं।

शो के नए एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया गया, जिसमें सिद्धार्थ और कियारा नजर आए। इस दौरान दोनों अपने स्टाइल से भी फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए कियारा शानदार रेड ड्रेस में बेहद खूबसूरत लगीं, वहीं सिद्धार्थ ऑफ-व्हाइट पैंट सूट में नजर आए, जिस पर हल्के ब्लैक प्रिंट बने हुए हैं।

सिद्धार्थ-कियारा ने की मस्ती

बता दें कि करण जौहर ने शो में उनसे उनकी मैरिड लाइफ, पर्सनल बॉन्डिंग और एक-दूसरे की आदतों को लेकर कई दिलचस्प सवाल पूछे। कियारा ने बताया कि उनकी शादी में करण जौहर ने किस गाने में डांस किया था। वहीं, शाहिद ने सोचा कि तुम्हे कंपनी देंगे और तुमने उसे धक्का मार कर वहां से हटा दिया, जिसके बाद करण जौहर चेहरा छिपाते हुए दिखे।

प्रोमो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, 'उन्होंने इसी सोफे पर उनके साथ एक शानदार भविष्य का सपना देखा था और अब हम उनकी खुशहाल जिंदगी के बारे में जान रहे हैं, यह कॉफी डेट बेहद खास है।

काम को घर नहीं लाना चाहते सिद्धार्थ

शो में हंसी-मजाक का सिलसिला तब और बढ़ गया, जब होस्ट करण कपल से पूछते हैं कि वे अपने किस किरदार को असल जिंदगी में निभाना चाहेंगे। इस पर सिद्धार्थ मजाकिया अंदाज में कहते हैं, 'हम अपने काम को घर नहीं लाना चाहते और निश्चित रूप से अपने बेडरूम में भी नहीं।'

2023 में हुई थी कपल की शादी

सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी, 2023 को राजस्थान के सूर्यगढ़ पैलेस में एक निजी समारोह में शादी की थी।

दोनों को फिल्म 'शेरशाह' की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे से प्यार हुआ था। यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी।

कियारा और सिद्धार्थ की एक बेटी सरायाह है और अब दोनों दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं।

अक्टूबर में कपल ने एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए दूसरी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी साझा की थी।

'आपके नन्हे-मुन्ने को देखने का इंतजार है'

सामंथा के फोटोशूट पर यूजर्स ने लुटाया प्यार

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपने पति राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी प्रेगनेंसी के सफर की झलकियां साझा करती रही हैं। छुट्टियों की तस्वीरों से लेकर वर्कआउट रूटीन तक, अभिनेत्री ने अपने इस पड़ाव के बारे में फैंस को अपडेट देती रही हैं। अब उन्होंने अपने बेबी बंप को दिखाते हुए एक और तस्वीर शेयर की है।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर में, सामंथा रुथ प्रभु एक काउच पर आराम से बैठी नजर आ रही हैं। उन्होंने सनग्लासेस पहने हुए हैं और प्यार से अपने बढ़ते बेबी बंप को सहला रही हैं। एक छोटा और मजेदार कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, 'इसे ही मेरा मैटरनिटी शूट समझें।'

सामंथा की तस्वीर पर फैंस ने प्यार लुटाया है। एक यूजर ने उन्हें 'अब तक की सबसे कूल होने वाली मां' कहा। दूसरे यूजर ने लिखा, 'आपके नन्हे-मुन्ने को देखने का बेसब्री से इंतजार है।' एक और फैन ने लिखा, 'मातृत्व आप पर बहुत जादुई लगता है सामंथा।' एक और यूजर ने उन्हें 'सबसे कूल मां' कहा है। सामंथा रुथ प्रभु अभी अपनी प्रेगनेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर के आखिरी चरण में हैं और प्रेगनेंसी के नौवें महीने में प्रवेश कर चुकी हैं।



कब हुई सामंथा और निदिमोरु की शादी?

सामंथा और राज ने 1 दिसंबर 2025 को कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में एक निजी समारोह में शादी की थी। अभिनेत्री ने जून 2026 में हैदराबाद में अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगारम' की सफलता के जश्न के दौरान अपनी प्रेगनेंसी की पुष्टि की थी। उन्होंने यह भी बताया था कि अपने काम को पूरा करने के बाद वह मैटरनिटी ब्रेक लेंगी।

रूखे बालों से परेशान हैं? इन प्राकृतिक तरीकों से पाएं छुटकारा

अगर आपके बाल रूखे और बेजान हो गए हैं तो आपको घुंघराले बालों के लिए खास देखभाल की जरूरत है। इन उपायों से आपके बाल न केवल मुलायम बनेंगे, बल्कि उनमें चमक भी आएगी और वे टूटने से भी बचेंगे। प्राकृतिक उपायों से आप अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं।



नारियल तेल का करें इस्तेमाल

नारियल तेल घुंघराले बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों को गहराई से पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। रात को सोने से पहले नारियल तेल को हल्का गर्म करके अपने सिर पर लगाएं और अच्छे से मालिश करें। सुबह उठकर बालों को शैंपू से धो लें। इससे आपके बाल नमी से भरपूर रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी।

एलोवेरा जेल का करें उपयोग

एलोवेरा जेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है और उन्हें नमी प्रदान करता है। एक कप पानी में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर इसे अपने सिर पर स्प्रे करें, फिर हल्के हाथों से मालिश करें। 15 मिनट बाद बालों को धो लें। यह उपाय आपके बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा और उन्हें टूटने से बचाएगा। एलोवेरा जेल का नियमित उपयोग आपके बालों को गहराई से पोषण देगा और उन्हें मुलायम बनाएगा।

शहद और जैतून के तेल का मिश्रण लगाएं

शहद प्राकृतिक नमी देने वाला होता है जबकि जैतून का तेल बालों को पोषण देता है। दोनों को मिलाकर अपने सिर पर लगाएं और 20 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद बालों को शैंपू से धो लें। यह मिश्रण आपके बालों को मुलायम बनाएगा और उनमें चमक लाएगा। नियमित रूप से इस उपाय का उपयोग करने से आपके बाल स्वस्थ रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी।

गुनगुने पानी से नहाएं

गुनगुना पानी बालों की जड़ों तक नमी पहुंचाता है, जिससे वे स्वस्थ रहते हैं। ठंडे या गर्म पानी का उपयोग करने से बचें क्योंकि इससे बाल रूखे हो सकते हैं। गुनगुने पानी से नहाने से बालों में नमी बनी रहती है और वे टूटने से बचते हैं।

सलमान खान की फिल्म का ट्रेलर देख भड़के यूजर्स

सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को हमेशा इंतजार रहता है। ऐसे में जब उनकी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' का ट्रेलर रिलीज हुआ, तो फैंस के बीच इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई। लंबे समय से सलमान को एक दमदार फिल्म में देखने का इंतजार कर रहे कुछ दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म उनके करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित होगी।



हालांकि, ट्रेलर सामने आते ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। जहां कुछ लोगों ने फिल्म की तारीफ की, वहीं कई दर्शकों ने इसके मेकिंग से लेकर सलमान की एक्टिंग तक पर सवाल खड़े कर दिए। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रेलर की लंबाई को लेकर देखने को मिली। करीब चार मिनट के इस ट्रेलर को देखकर लोगों का कहना है कि मेकर्स ने फिल्म की कहानी का इतना कुछ दिखा दिया है कि अब सस्पेंस के लिए कुछ बचा ही नहीं है।

10 नवंबर को रिलीज हुए इस ट्रेलर में सलमान खान भारतीय सेना के एक अधिकारी की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो एक भीषण युद्ध के बीच फंसे हैं।

एआई और ग्रीन स्क्रीन के इस्तेमाल पर भी उठे सवाल

ट्रेलर देखने के बाद कुछ दर्शकों ने फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स और मेकिंग को लेकर भी नाराजगी जताई। लोगों को इसमें एआई और ग्रीन स्क्रीन का इस्तेमाल खटक रहा है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'मातृभूमि का ट्रेलर देखकर समझ आता है कि एआई खतरनाक क्यों है। अब तो बस हो गया!'

हालांकि, दर्शकों की सबसे बड़ी शिकायत ट्रेलर की लंबाई को लेकर रही। करीब चार मिनट के इस ट्रेलर को देखकर कई लोगों को लगा कि मेकर्स ने फिल्म की कहानी के अहम हिस्से पहले ही दिखा दिए हैं। यूट्यूब पर भी लोगों ने इस पर जमकर प्रतिक्रिया दी। किसी ने लिखा, 'पूरी फिल्म ही ट्रेलर में दिखा दी', तो किसी ने कहा कि फिल्म ही देख ली।'

ऐसा नहीं है कि ट्रेलर को पूरी तरह नापसंद किया गया हो। कुछ दर्शकों को इसका ओवरऑल अंदाज पसंद आया, लेकिन उनका मानना था कि फिल्म में विजुअल्स और कलर ग्रेडिंग को जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल किया गया है।

इसके बावजूद उन्हें उम्मीद है कि यह फिल्म सलमान खान को एक बार फिर उनके पुराने दमदार अंदाज में पर्दे पर वापस ला सकती है। वहीं, कुछ दर्शकों का मानना है कि सलमान को सही मायनों में वापसी करने के लिए अभी एक और फिल्म की जरूरत पड़ सकती है।

गलवान घाटी की झड़प पर आधारित है फिल्म

बता दें कि 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। यह फिल्म जून 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में सलमान खान कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने इस संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था।

फिल्म में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह, मुकेश ऋषि, अंकुर भाटिया, ज़ेन शॉ और अभिलाष चौधरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, विजय राज ने फिल्म में नैरेशन दिया है। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था, जिसे बाद में बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया गया। यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

खास-खबर

किसानों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, खलीबा में नवीन धान खरीदी केंद्र स्वीकृत

अम्बिकापुर। किसानों की मेहनत से उपजी फसल को बेचने के लिए अब उन्हें लंबी दूरी तय करने और परिवहन की परेशानियों से जूझने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधाओं के विस्तार के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सरगुजा जिले के ग्राम खलीबा में देखने को मिला है। यहां किसानों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए नवीन धान उपार्जन केंद्र की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से खलीबा सहित आसपास के 11 गांवों के किसानों में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के लगभग 416 पंजीकृत किसानों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। धान खरीदी केंद्र की स्वीकृति उन छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए विशेष राहत लेकर आई है, जिन्हें अब तक अपनी उपज बेचने के लिए दूरस्थ खरीदी केंद्रों पर निर्भर रहना पड़ता था। वाहन की व्यवस्था, परिवहन पर अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी जैसी समस्याएं किसानों के लिए बड़ी चुनौती थीं। अब अपने क्षेत्र में ही खरीदी केंद्र की सुविधा मिलने से धान विक्रय की प्रक्रिया अधिक आसान और सुविधाजनक होगी।

30 नवंबर तक पुराने वाहनों में HSRP नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य

अम्बिकापुर । छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाना अनिवार्य किया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, अम्बिकापुर ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में 30 नवंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से **HSRP** लगवा लें। परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी निर्देश के अनुसार केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के प्रावधानों, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचनाओं तथा माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों के पालन में यह व्यवस्था लागू की गई है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के बाद अर्थात 1 दिसंबर 2026 से बिना **HSRP** नंबर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन मालिकों से निर्धारित तिथि से पहले **HSRP** लगवाकर नियमों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है।

बलौदाबाजार जिले में ग्राम सभाओं का आयोजन 16 को

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार बलौदाबाजार जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में 16 नवम्बर को ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने ग्राम सभा हेतु समय-सारिणी तैयार कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। ग्राम सभा में शतप्रतिशत गणपूर्ति सुनिश्चित कराने का दायित्व सरपंच व पंचो का होगा। ग्राम सभा में ग्राम पंचायत के बजट, विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति एवं प्रगति की समीक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। आवश्यक संशोधन तथा प्रतीक्षा सूची के संबंध में भी विचार-विमर्श किया जाएगा। ग्राम सभाओं में वीबीजी राम-जी योजना एवं सीएम हेल्प टोल फ्री नम्बर 1076 के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं त्वरित निवारण हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ शासन द्वारा निर्धारित अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की जाएगी।

तरुण प्रकाश ने रायपुर स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं सुरक्षा एवं क्राउड मैनेजमेंट व्यवस्थाओं का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल द्वारा दीपावली के बाद अपने घरों एवं कार्यस्थलों पर लौटने वाले यात्रियों तथा आगामी छठ पूजा पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर विशेष तैयारियां की गई हैं। यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष ट्रेनों के संचालन, होल्डिंग एरिया, भीड़ प्रबंधन, खानपान, टिकटिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 10 नवम्बर 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने रायपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं, विशेष क्राउड मैनेजमेंट प्लान, होल्डिंग एरिया, सुरक्षा एवं संरक्षा संबंधी इंतजामों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए लगभग 4200 वर्गफीट क्षेत्र में होल्डिंग एरिया तैयार किया गया है। इसमें लगभग 400 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए यहां सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त रोशनी, पेयजल एवं खानपान की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। होल्डिंग एरिया में यात्रियों को मात्र 15 एवं 20 रुपये में किफायती भोजन तथा 14 रुपये में रेल नीर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नि:शुल्क पेयजल की सुविधा भी उपलब्ध है। महाप्रबंधक ने होल्डिंग एरिया में यात्रियों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया।

यात्रियों को बिना अनावश्यक कतार में लगे आसानी से टिकट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर स्टेशन पर टिकटिंग सुविधाओं को बेहतर बनाया गया है। स्टेशन पर 20 एटीवीएम के माध्यम से टिकट प्राप्त करने की सुविधा के साथ टिकट काउंटरों की संख्या में वृद्धि तथा मोबाइल टिकटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। महाप्रबंधक ने टिकटिंग व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट केंद्र, क्लॉक रूम, मार्गदर्शन किओस्क तथा प्लेटफॉर्म नंबर-01 पर स्थापित डिजिटल बैगेज लॉकर का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही प्रतीक्षालय एवं स्वस्थ वेटिंग लाउंज में यात्रियों से चर्चा कर सुविधाओं की जानकारी ली। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्टेशन पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली का भी महाप्रबंधक ने निरीक्षण किया। उन्होंने कैमरों के माध्यम से स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना या समस्या की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा एवं त्वरित सहायता के लिए विशेष वार रूम सक्रिय रखा गया है। इसके माध्यम से विभिन्न स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड के जरिए भीड़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी। इसके लिए वाणिज्यिक, परिचालन, इंजीनियरिंग, विद्युत, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा यांत्रिक विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा परिचालन संबंधी समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके।

त्यौहार एवं पूजा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशनों में रेलवे मुस्तैद

प्रमुख स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती, 24 घंटे निगरानी एवं त्वरित शिकायत निवारण की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। त्योहारों एवं पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। इस दौरान सभी प्रमुख स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने, यात्री सुविधाओं की उपलब्धता तथा यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष ट्रेनों के संचालन, होल्डिंग एरिया, भीड़ प्रबंधन, खानपान, टिकटिंग, जन-जागरूकता एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा यात्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इस दौरान सभी फ्रंटलाइन कर्मचारी 24 घंटे सतत ड्यूटी पर तैनात रहकर यात्रियों की सहायता एवं व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं वाणिज्य विभाग की संयुक्त टीमें प्रमुख स्टेशनों पर निरंतर निगरानी कर रही हैं।

यात्रियों को ट्रेनों के आगमन, प्रस्थान एवं अन्य आवश्यक जानकारियां समय पर उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) एवं डिजिटल डिस्प्ले संकेतकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही आरपीएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमें लाउड हेलर एवं सीटी के माध्यम से यात्रियों को लगातार जागरूक करते हुए भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित कर रही हैं। मुख्यालय में डिजिटल वार रूम की स्थापना की गई है जिसमें ट्रेनों के परिचालन एवं स्टेशनों पर भीड़ की स्थिति पर नजर रखने के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, स्टेशनों पर किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने एवं यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा दल की तैनाती की गई है।

यात्रियों को टिकट संबंधी सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क एवं अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती की गई है। व्यस्त समय में टिकट वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर तथा ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की व्यवस्था की गई है। ऑनलाइन एवं डिजिटल भुगतान हेतु टिकट काउंटर में क्यू आर कोड की सुविधा के साथ ही एम-यूटीएस एवं रेलवन एप के माध्यम से यात्रियों को प्लेटफार्म तथा प्रवेश द्वार के पास अनारक्षित टिकटिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है । दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ एवं अतिरिक्त यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा के उद्देश्य से विभिन्न प्रमुख शहरों के बीच विशेष पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल पहल, विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया हुई आसान



श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। जिला प्रशासन बीजापुर की डिजिटल जनसेवा पहल के तहत सेवा सेतु के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न शासकीय सेवाओं को सुलभ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ऑनलाइन व्यवस्था से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित प्रक्रियाओं में सुविधा मिल रही है और ग्राम स्तर पर डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ रही है।

इसी क्रम में 'ग्राम कोमला, ग्राम पंचायत एरमनार, तहसील एवं जिला बीजापुर, निवासी 'दिनेश कुड़ियम' के विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदन पर प्रक्रिया की गई। इस आवेदन का संदर्भ क्रमांक '22378012 618000535' है। विवाह पंजीयन जैसी आवश्यक सेवा को ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराने की पहल से ग्रामीण नागरिकों के लिए शासकीय प्रक्रिया अधिक सहज बनाने में मदद मिल रही है। इससे नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा और समय की बचत हो सकती है। जिला प्रशासन बीजापुर की डिजिटल पहल के माध्यम से सेवा सेतु नागरिकों तक शासकीय सेवाएं पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और जनसुविधाओं को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाना है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हेल्थ मेला शिविर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार



रायगढ़। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आम नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के साथ नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज जिला स्तरीय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विकासखंड लोईंग के ग्राम छुहीपाली स्थित हेल्थ मेला शिविर एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुकरदा का निरीक्षण किया।

शिविर में 48 लोगों की गैर-संचारी रोग (एनसीडी) स्क्रीनिंग की गई, वहीं 10 परिवार नियोजन हितग्राहियों को काउंसलिंग प्रदान की गई। इसके अलावा फाइलेरिया (हाथीपांव) से पीड़ित एक मरीज का फॉलोअप भी किया गया। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के दिशा-निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक रंजना पैंकरा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लोईंग में संचालित विशेष नशा मुक्ति केंद्र के संबंध में भी आम नागरिकों को जानकारी दी गई।

केंद्र का उद्देश्य युवाओं एवं स्थानीय लोगों को शराब, तंबाकू, सिगरेट और अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही नशे की लत से प्रभावित लोगों को इससे बाहर निकालने के लिए नि:शुल्क परामर्श, उपचार एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। लोईंग स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 10 बिस्तरों की व्यवस्था के साथ 24 घंटे नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से प्रारंभ होकर 15 जनवरी 2027 तक संचालित होगी। किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी। खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी, सुव्यवस्थित और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने आज कलेक्टरेट के डंकनी सभाकक्ष में खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं धान उपार्जन केंद्रों के समिति प्रबंधकों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ध्रुव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि धान खरीदी शासन की प्राथमिकता वाली महत्वपूर्ण योजना है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से चेतावनी देते हुए कहा कि धान खरीदी के दौरान कोचियों, बिचौलियों एवं व्यापारियों से धान की खरीदी किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। यदि किसी उपार्जन केंद्र में इस प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से अवैध रूप से धान की आवक तथा अवैध खरीदी-बिक्री पर प्रभावी निगरानी रखी जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लेकर सीएम हेल्पलाइन, राजस्व के लंबित प्रकरणों तथा आगामी 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। वहीं विकासखंडों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े। कलेक्टर व्यास ने राजस्व अधिकारियों को सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र सहित राजस्व से संबंधित लंबित प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी नियमित रूप से न्यायालय में बैठें और लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग सीधे आम नागरिकों से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण विभाग है। इसलिए अधिकारी इसकी जिम्मेदारी और गंभीरता को समझते हुए आम लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान करें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का भी निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आगामी 15 नवंबर से किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को धान बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से झारखंड एवं ओडिशा की सीमाओं से अवैध धान की आवक और बिचौलियों द्वारा धान खपाने की आशंका को देखते हुए सभी चेक पोस्ट पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

कोरबा विधानसभा में पौने चार करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

सड़क, सामुदायिक भवन और पेयजल व्यवस्था से जुड़े कार्यों से क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार



कोरबा। कोरबा शहर के अंतर्गत मोतीसागरपारा में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। उद्योग मंत्री एवं कोरबा विधायक लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई।

इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में सड़क, सामुदायिक भवन और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। भूमिपूजन के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 7, धनुहार मोहल्ला में जयसिंह सनवाल के घर से तारा चंद्र श्रीवास के घर तक 7 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण किया जाएगा। वार्ड क्रमांक 8, सीतामणी मोतीसागरपारा में 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण होगा। इसी वार्ड में पूर्व पार्षद बंशीलाल महिलांगे के घर के सामने से कुष्ठ आश्रम एवं प्राथमिक शाला जाने वाले मुख्य मार्ग पर 8 लाख रुपये की लागत से सड़क बनाई जाएगी।

सीबीडी प्लांट एरिया, बरबसपुर में 2 करोड़ 85 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड, रिटेनिंग वॉल, बॉक्स कलवर्ट, पीचिंग, बोरवेल, पीएंडएफ तथा हाईमास्ट स्ट्रीट लाइट से जुड़े कार्य किए जाएंगे। पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए वार्ड क्रमांक 10, वैष्णो दरबार रेलवे लाइन बस्ती में 20 लाख 98 हजार रुपये की लागत से डीआई मुख्य पाइपलाइन को 150 मिमी व्यास की वितरण पाइपलाइन से जोड़ने और उसके विस्तार का कार्य होगा। वार्ड क्रमांक 14 में ओचटी के पीछे से अमरावपारा एवं रेलवे कॉलोनी तक 38 लाख 23 हजार रुपये की लागत से 450 मिमी व्यास की मुख्य पाइपलाइन से वितरण पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इन कार्यों से संबंधित क्षेत्रों में कम दबाव की पेयजल समस्या के समाधान में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा कि कोरबा विधानसभा के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सामुदायिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृत कर धरातल पर उतारा जा रहा है। हमारा संकल्प है कि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग और क्षेत्र तक पहुंचे। कार्यक्रम में महापौर संजू देवी राजपूत, पार्षद श्रीमती रूबी देवी सागर सहित अन्य पार्षदगण, बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

बाइक पर खतरनाक स्टंट करना पड़ा भारी, 5 गिरफ्तार

रायगढ़। सोशल मीडिया पर रील बनाकर लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश पांच युवकों को जेल तक ले गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर सड़क पर खतरनाक स्टंट करने और सार्वजनिक स्थान पर अशोभनीय हरकतें करने के मामले में चक्रधरनगर पुलिस ने पांच युवकों के खिलाफ कार्रवाई की है। मामला 9 नवंबर की रात का है। पांचों युवक दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर शहीद हेमू कलाणी चौक से चक्रधरनगर चौक की ओर जा रहे थे। इस दौरान वे चलती बाइक पर खतरनाक तरीके से स्टंट कर रहे थे। आरोप है कि युवक सार्वजनिक सड़क पर अशोभनीय हरकतें भी कर रहे थे और इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना रहे थे। युवकों की गतिविधियां देखकर सड़क से गुजर रहे एक व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से उनका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद उसने चक्रधरनगर थाना प्रभारी को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने उन्हें समझाइश दी कि सार्वजनिक सड़क पर इस तरह की स्टंटबाजी से न सिर्फ उनकी जान खतरे में पड़ती है, बल्कि दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों के साथ भी गंभीर हादसा हो सकता है।

बाइक लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में युवक से मारपीट कर पल्सर बाइक लूटने के मामले में कोटा थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पैसों की मांग पूरी नहीं होने पर युवक के साथ मारपीट कर बाइक लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामले में अभय सूर्यवंशी, नंद कुमार केवट और नीरज सूर्यवंशी को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी बिलासपुर के मंगला क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 309(4), 119(1) और 3(5) के तहत कार्रवाई की है। कोटा थाना पुलिस की इस कार्रवाई में लूटी गई पल्सर बाइक और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी जब्त की गई है।

दो मोटरसाइकिलों की टक्कर से चार की मौत, दो गंभीर

कवर्धा। कबीरधाम जिले में दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रणवीरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बनिया के पास हुआ। मृतकों में एक ही परिवार के पिता, बेटी और 12 वर्षीय बेटा शामिल हैं। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त पहली मोटरसाइकिल एसपी शाइन में भूपेंद्र कश्यप (40), उनकी बेटी ऋतु कश्यप (15) और बेटा पंकज कश्यप (12) सवार थे। तीनों बेमेतरा जिले के थान खम्हरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बनराका के निवासी थे।

गौरा-गौरी विसर्जन में बच्ची को बाइक से लगी टक्कर

2 गांवों में खूनी संघर्ष, मारपीट के बाद 10 बाइक जलाईं, 7 युवकों पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में गौरा-गौरी विसर्जन के दौरान बाइक की टक्कर से बच्ची को चोट लग गई। इससे नाराज ग्रामीणों ने बाइक सवार युवक की पिटाई कर दी। युवक ने अपने गांव उड़गन से लोगों को बुला लिया। इसके बाद गोढ़ी और उड़गन गांव के लोग आपस में भिड़ गए।



दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान करीब 10 बाइक में आग लगा दी गई। सभी बाइक जलकर खाक हो गईं। घटना के बाद दोनों गांवों में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने 7 युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। घटना बिल्हा थाना क्षेत्र की है।

एडिशनल एसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह ने बताया कि मंगलवार को ग्राम गोढ़ी में गौरा-गौरी विसर्जन का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान भीड़ के बीच से एक बाइक गुजर रही थी। बाइक की टक्कर से गांव की एक बच्ची को चोट लग गई। इससे नाराज ग्रामीणों ने बाइक चला रहे युवक को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

मारपीट के बाद युवक ने अपने गांव उड़गन में फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद वहां से बड़ी संख्या में लोग गोढ़ी पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई।

बाइक छोड़कर भागे युवक, ग्रामीणों ने लगा दी आग

दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। स्थानीय लोगों की संख्या अधिक होने के कारण उड़गन से आए युवक अपनी बाइक छोड़कर भाग गए। इसके बाद ग्रामीणों ने उनकी बाइक में आग लगा दी।

देखते ही देखते करीब 10 बाइक जलकर खाक हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही बिल्हा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने भी गांव पहुंचकर स्थिति संभाली। देर रात तक दोनों गांवों के लोग एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे।

सात युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

पुलिस ने दोनों गांवों के लोगों की शिकायत पर अपराध दर्ज किया है। वहीं, मारपीट के बाद उड़गन से गोढ़ी पहुंचकर विवाद बढ़ाने के मामले में सात युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

इनमें आकाश गेंदले (20), शैलेन्द्र गेंदले (28), आदित्य मनहर (19), प्रेमजीत घोसले (20), योगेश टण्डन (21), राघवेन्द्र गेंदले (30) और खुशेन्द्र निषाद (19) शामिल हैं। सभी ग्राम उड़गन के निवासी हैं।

पुलिस बाइक जलाने और बाइक सवारों के साथ मारपीट करने वालों की पहचान कर रही है। दोनों गांवों में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या, सीने पर चाकू से वार, इलाज के दौरान मौत, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या कर दी गई। घटना आजाद चौक थाना क्षेत्र के लाखेनगर चौक की है। यहां 11 नवंबर की रात दो युवकों के बीच कहासुनी हो गई। इसी दौरान एक युवक ने दूसरे के सीने पर लोहे के धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान मोहम्मद यूनुस और आरोपी की पहचान शेख नाजिर के रूप में हुई है। पुलिस जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करेगी। पुलिस के मुताबिक, मृतक मोहम्मद यूनुस (25) ईदगाह भाठा का रहने वाला था। आरोपी शेख नाजिर (41) भी इसी इलाके में रहता है। दोनों के बीच पहले से विवाद और रंजिश थी। 11 नवंबर की रात लाखेनगर चौक पर इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। विवाद बढ़ने पर शेख नाजिर ने सीने पर लोहे के धारदार हथियार से वार कर दिया।



अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

हमले में यूनुस गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चोट गंभीर होने के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। सूचना मिलते ही आजाद चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शेख नाजिर को गिरफ्तार कर लिया।

फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

तू डायन है, कहकर हथौड़ी से कुचला सिर अंबिकापुर में महिला की हत्या में 4 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के पस्ता थाना क्षेत्र के ग्राम सरगवां पंडोपारा में एक बुजुर्ग विधवा की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार घटना नौ नवंबर की रात करीब नौ बजे की है। आरोपित देवकुमार देवांगन की बड़ी मां ठुमरी की दो सप्ताह पहले बीमारी से मौत हुई थी, वहीं आरोपित मुनेश अगरिया की मां सिबनी की तीन सप्ताह पहले बुखार से मौत हुई थी।

दोनों अपनी मां की मौत का कारण मृतका रजपतिया पंडो को मान बैठे और उसे टोनही कहने लगे। चारों आरोपित नौ नवंबर की रात मृतका रजपतिया के घर पहुंचे। साजिश के तहत रामप्रसाद पंडो और शिवनाथ नगेशिया घर के बाहर पहरा देने लगे, ताकि कोई घर में न आ सके।

इसके बाद देवकुमार देवांगन और मुनेश अगरिया घर के अंदर घुसे और तू डायन है, टोनही है, हमारे घर वालों को खा रही है कहते हुए हथौड़ी से सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर निर्मम हत्या कर दी और फरार हो गए। मृतका के सौतेले बेटे ने काफी देर तक मां को नहीं देखा तो घर जाकर देखा। दरवाजा खुला था और अंदर खाट पर रजपतिया का शव खून से लथपथ पड़ा था।

घटना की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। डाग स्क्वायड की मदद ली गई। पुलिस जांच में पता चला कि मृतका के घर शिवनाथ नगेशिया का आना-जाना था। पुलिस ने चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

बुजुर्ग पर हमला, फिर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

पिता को तड़पता छोड़कर भागा बेटा, बेटी को साथ रखने से नाराज था

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के सीपत थाना क्षेत्र में बेटे ने बुजुर्ग पिता पर लोहे के हथियार से हमला करने के बाद पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। आग से झुलसते पिता को तड़पता छोड़कर आरोपी भाग निकला। पिता को जलता देख बेटी ने शोर मचाकर लोगों से मदद मांगी। लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और गंभीर रूप से झुलसे बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया। उनका इलाज चल रहा है।

ग्राम सेलर निवासी विश्राम केंवट (76) खेती-किसानी और रोजमर्रा के काम करने में असमर्थ हैं। इसलिए उन्होंने अपनी बेटी दुरपति बाई और उसके परिवार को अपने साथ रखा था। बेटी का परिवार उनकी देखभाल के साथ खेती का काम भी संभालता था। उनका बेटा आशाराम केंवट पास के गांव बरेली में रहता है। बताया जा रहा है कि पिता के बेटी को साथ रखने और संपत्ति को लेकर आशाराम उनसे नाराज था।

बुधवार को आरोपी आशाराम अपने गांव सेलर पहुंचा। यहां बेटी को मायके में रखने और संपत्ति के बंटवारे को लेकर पिता से विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने लोहे के हथियार से पिता पर हमला किया। इसके बाद साथ लाए पेट्रोल को उन पर डालकर आग लगा दी। वारदात के बाद आशाराम उन्हें जलता और तड़पता छोड़कर भाग निकला।



पिता को आग की लपटों में घिरा देख बेटी दुरपति बाई घबरा गई। उसने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया और एंबुलेंस को कॉल किया। इसके बाद गंभीर हालत में पिता को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। बुजुर्ग के शरीर का काफी हिस्सा झुलस गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सिम्स में डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

बाइक को टक्कर मारने का विरोध करने पर मारा चाकू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के चंगोराभाठा में मामूली विवाद पर एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 2 युवक और 4 नाबालिग शामिल हैं।

आरोपियों ने ऑटो की टक्कर लगने के बाद हुए विवाद में युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू और इलेक्ट्रिक ऑटो जब्त किया है। घटना डीडी नगर थाना इलाके की है।

घटना 8 नवंबर की रात करीब 11:50 बजे की है। श्रीराम नगर निवासी सतीश यादव चंगोराभाठा रोड पर खड़े थे। इसी दौरान एक इलेक्ट्रिक ऑटो के ड्राइवर ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इससे सतीश सड़क पर गिर गए।



ऑटो में झंडा चौक निवासी मयंक ठाकुर और उसके साथी सवार थे। सतीश ने ऑटो चालक को देखकर वाहन चलाने की बात कही तो सभी आरोपी नीचे उतर गए। उन्होंने सतीश के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान आरोपियों ने धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई।

सतीश की शिकायत पर डीडी नगर थाने में आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डीडी नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर दबिश दी और मयंक ठाकुर (19), लक्ष्य निर्मलकर (18) सहित विधि से संघर्षरत 4 बालकों को पकड़ा। आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल एक चाकू और इलेक्ट्रिक ऑटो जब्त किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मयंक ठाकुर पहले भी प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत जेल जा चुका है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शराब के नशे में हुआ दर्दनाक हादसा कुएं में गिरने से दो दोस्तों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां कुएं में डूबने से दो ग्रामीणों की मौत हो गई। दोनों के शव सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम काराबेल के मुड़ापारा स्थित एक कुएं में मिले हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात दोनों शराब के नशे में गांव में घूम रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतकों की पहचान अशोक बखला (45 वर्ष), पिता सिवमुन और कमल तिर्की (55 वर्ष), पिता बैगा तिर्की के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों मंगलवार रात शराब के नशे में गांव में घूम रहे थे। इसी दौरान वे गांव से दूर सुनसान इलाके में स्थित एक गहरे कुएं में गिर गए। कुआं बस्ती से काफी दूर होने के कारण घटना की जानकारी तत्काल किसी को नहीं मिल सकी।



ग्रामीणों ने कुएं में तैरते देखा शव

घटन के दूसरे दिन जब ग्रामीणों की नजर कुएं में तैरते दोनों शवों पर पड़ी, तो उन्होंने तत्काल सीतापुर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को कुएं से बाहर निकलवाया।

इसके बाद पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

भिलाई में झपटमारी करने वाला शातिर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग भिलाई के अलग अलग इलाकों में नेशनल हाईवे और व्यस्त मार्गों पर महिलाओं को निशाना बनाकर मोबाइल, नकदी और आभूषण झपटने वाले एक शातिर बदमाश को पुलिस ने धर दबोचा है। खुर्सीपार पुलिस, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) तथा अन्य थाना प्रभारियों के बीच उत्कृष्ट समन्वय और तकनीकी सुरागरसी के चलते इस शातिर अपराधी को दबोचने में सफलता मिली है।

खुर्सीपार क्षेत्र में लगातार हो रही झपटमारी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष संयुक्त टीम का गठन किया गया था। थाना खुर्सीपार पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) ने अन्य संबंधित थानों के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए आधुनिक तकनीकी साक्ष्यों, घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और मजबूत मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। संयुक्त टीम द्वारा लगातार संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी समन्वित एवं त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप, पुलिस ने जाल बिछाकर मुख्य आरोपी कुम्हारी निवासी लक्ष्मण राव को घेराबंदी कर धर दबोचा। आरोपी के पास से 3 लाख 60 हजार से ज्यादा का सामान बरामद किया गया।



आरोपी ने इन क्षेत्रों में की झपटमारी

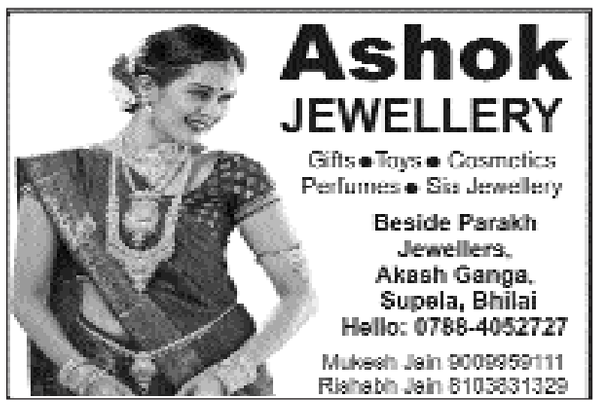
तुलसी ट्रेडर्स के सामने, खुर्सीपार चौक, थाना खुर्सीपार: आरोपी ने झपट्टा मारकर मोबाइल और जेवरात छीने। डबरा पारा ओवरब्रिज के ऊपर, खुर्सीपार, थाना खुर्सीपार: आरोपी ने बैग छीना, जिसमें नकदी और दस्तावेज थे। नेशनल हाईवे, थाना पुरानी भिलाई: नेशनल हाईवे पर झपटमारी कर मोबाइल छीना गया। नंदनी रोड, थाना जामुल नंदनी रोड पर बैग छीना गया, जिसमें सोने के जेवरात और नकदी थे। पावर हाउस ओवरब्रिज, थाना छावनी: नेशनल हाईवे रोड पर पावर हाउस ओवरब्रिज के ऊपर बैग छीनकर भागा, जिसमें मोबाइल और नगदी थे। चंद्र मौर्य टॉकीज के पास एवं ओवरब्रिज के ऊपर, थाना सुपेला: क्षेत्र में दो वारदातों को अंजाम देकर बैंक दस्तावेज, कार्ड और आभूषण छीने गए।

आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि भीड़-भाड़ वाली जगह, ब्रिज और सुनसान रास्तों पर चलते समय अपने मोबाइल, पर्स और सोने-चांदी के जेवरात का विशेष ध्यान रखें। बैग को सड़क की तरफ न लटकाएं, मोबाइल पर बात करते हुए सड़क पर न चलें।

यदि आपके साथ भी इस तरह की छीना-झपटी की घटना हुई हो, या कहीं भी कोई संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखाई दे, तो तुरंत थाना खुर्सीपार को सूचना दें। आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी।

त्योहारी सीजन में रायपुर पुलिस का एक्शन

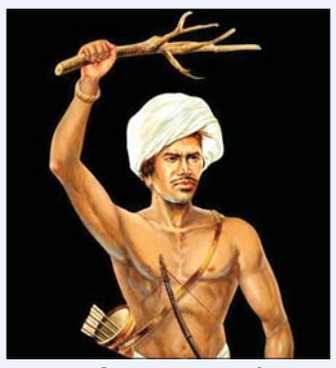
रायपुर। त्योहारी सीजन में शहर की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट के पश्चिम और नार्थ जोन में विशेष अभियान चलाया गया। डीसीपी (पश्चिम) राबिन्सन गुरिया और डीसीपी (नार्थ) दीपमाला कश्यप के मार्गदर्शन में पुलिस टीमों ने अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसा। पश्चिम क्षेत्र (4 से 10 नवंबर) में विभिन्न थानों की कार्रवाई के तहत कुल 91 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 52 वारंटों की तामिली, 135 व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, 75.24 लीटर अवैध शराब, सात चाकू व एक देसी कट्टा, 62,900 रुपये नकद के साथ 73 जुआरी तथा 1.724 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया।







खास खबर



भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर स्कूलों में होंगे विविध कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती प्रतिवर्ष 15 नवंबर को मनाई जाती है। इस वर्ष 15 नवंबर 2026 को रविवार होने के कारण प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय, अनुदान प्राप्त विद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 14 नवंबर अथवा 16 नवंबर 2026 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी विद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, संघर्ष और आदर्शों से परिचित कराया जाएगा।विद्यालयों में 14 अथवा 16 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के कार्यों पर आधारित लेखन एवं वाचन और वाद-विवाद की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी विद्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संस्थागत प्रमुखों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया है। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश के महान जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान से परिचित कराना तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ का परचम, बिल्हा ने हासिल किया देश में पहला स्थान, रायपुर, बिलासपुर भी पुरस्कृत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों उप मुख्यमंत्री अरुण साव, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा व महापौरों ने ग्रहण किया राष्ट्रीय सम्मान

- 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में बिल्हा रहा देश में सबसे आगे
- बेहतर नगरीय प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।



नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया।

इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने। जनभागीदारी, आधुनिक नगरीय सुविधाओं और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से हम स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाना प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

नगर पंचायत बिल्हा का 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना विशेष उपलब्धि है। यह सम्मान दर्शाता है कि सीमित संसाधनों वाले छोटे नगरीय निकाय भी बेहतर प्रबंधन, स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता और जनसहभागिता के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों का राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयन राज्य में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और नगरीय सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करता है। स्वच्छ सर्वेक्षण के माध्यम से शहरों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, नागरिक सहभागिता तथा नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित किया जाता है।

समारोह में छत्तीसगढ़ से नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नगर पालिक निगम बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा नगर पंचायत बिल्हा की अध्यक्ष श्रीमती वंदना जेंड्रे, राज्य शहरी विकास अभिकरण के मिशन डायरेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम रायपुर संबित मिश्रा, बिलासपुर आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।





मातर तिहार हमारी संस्कृति, परंपरा और गौसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक : यादव



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मातर तिहार के अवसर पर आज प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान के साथ गौमाता का पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर समाजजनों की उपस्थिति में उन्होंने पारंपरिक दोहा गाकर गौमाता को सोहाई बांधी और विधिवत पूजा-अर्चना की।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, सामाजिक एकजुटता और गौवंश के प्रति सम्मान एवं सेवा का भाव सिखाता है। यादव समाज की परंपरा में गौसेवा और गौपालन का विशेष महत्व रहा है। गौमाता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि संस्कृति और जनजीवन का अभिन्न अंग हैं। उनकी सेवा और संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि यादव समाज में मातर तिहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान, पूर्वजों की परंपराओं और गौवंश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस पर्व पर पारंपरिक दोहे गाकर सोहाई बांधने और सामूहिक रूप से गौपूजन करने की परंपरा हमारी लोकसंस्कृति की जीवंतता को दर्शाती है।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपराओं और गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी इन परंपराओं से जोड़ना चाहिए, ताकि हमारी संस्कृति और सामाजिक मूल्य निरंतर आगे बढ़ते रहें।

मांदर की थाप पर थिरका लखनपुर, करमा महोत्सव में दिखी जनजातीय लोक संस्कृति की अभिनव छटा



श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। जनजातीय लोक संस्कृति, परंपरा और कला के रंगों से बुधवार को लखनपुर का साक्षरता मिनी स्टेडियम सराबोर हो उठा। जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव 'करमा महोत्सव' में पारंपरिक लोकगीतों और मांदर की गूंजती थाप ने ऐसा समां बांधा कि पूरा परिसर उत्साह और उमंग से झूम उठा।

रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे जनजातीय कलाकारों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी कलाकारों के साथ करमा नृत्य में शामिल होकर जनजातीय संस्कृति के प्रति अपनी आत्मीयता और उत्साह का परिचय दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनजातीय समाज की लोककला, संस्कृति और परंपराएं छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर हैं। इन परंपराओं का संरक्षण करना और इन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि करमा महोत्सव जैसे आयोजन जनजातीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा और पारंपरिक कला का प्रदर्शन करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं। साथ ही ऐसे आयोजनों से हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलती है। उन्होंने सभी प्रतिभागी कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता दलों को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



12 नृत्य दलों ने दी प्रस्तुतियां

महोत्सव में विकासखंड के तुरना, कोरजा, लोसगा और केवरा सेक्टरों से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी लोककला का प्रदर्शन किया। करमा नृत्य प्रतियोगिता में जय शिव शारदा करमा पार्टी परसोदी कला ने प्रथम तथा आदिवासी करमा दल पीपरखार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव के अंतर्गत आयोजित लोकनृत्य प्रतियोगिता में शैला पार्टी तराजू ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लखनपुर विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

करमा महोत्सव ने न केवल जनजातीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया, बल्कि लोक संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक एकता के महत्व को भी प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। मांदर की थाप और करमा गीतों की गूंज के बीच संपन्न हुआ यह आयोजन जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक यादगार पहल बनकर उभरा।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष शशिकला विक्रम सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू, एसडीएम रामराज सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लखनपुर खुशबू शास्त्री, एसडीओ आरईएस, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, आकांक्षी विकासखंड फेलो सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उत्तर बस्तर कांकेर : मोबाइल ऐप से बुकिंग और टोकन के आधार पर वितरित होगी रासायनिक खाद

श्रीकंचनपथ समाचार



उत्तर बस्तर कांकेर। उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिले में फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफ एफ एस) प्रणाली के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों का विक्रय शुरू किया गया है। नई व्यवस्था के तहत किसानों को अपनी आवश्यकता के अनुसार एफएफएस मोबाइल ऐप के माध्यम से पहले उर्वरक की बुकिंग करनी होगी। बुकिंग के उपरांत प्राप्त क्यूआर कोड अथवा टोकन के आधार पर किसान संबंधित उर्वरक विक्रय केंद्र से खाद प्राप्त कर सकेंगे।

नई प्रणाली के अंतर्गत किसान अपनी चयनित फसल और बोए गए अथवा प्रस्तावित रकबे के आधार पर अनुशंसित मात्रा में उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। इससे उर्वरक वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित होने के साथ ही अनावश्यक भंडारण, कालाबाजारी तथा वितरण में होने वाली अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। साथ ही उर्वरक विक्रय केंद्रों पर लगने वाली अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था से भी राहत मिलेगी। एफएफएस प्रणाली के माध्यम से किसानों की पहचान, भूमि एवं फसल संबंधी जानकारी के आधार पर उर्वरक की आवश्यकता का सत्यापन किया जाएगा। उर्वरक विक्रय के समय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पॉश मशीन के माध्यम से बिक्री की जानकारी दर्ज की जाएगी।

कृषि विभाग द्वारा जिले की समस्त सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं को एफ एफ एस प्रणाली के तहत उर्वरक विक्रय के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अपने मोबाइल ऐप डाउनलोड कर आवश्यकतानुसार खाद की बुकिंग करें।

किसान ऐप के माध्यम से घर बैठे खाद की बुकिंग कर सकते हैं और प्राप्त क्यूआर कोड आधारित टोकन के माध्यम से नजदीकी सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक केंद्र से आवश्यक उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950